म्हारो लक्ष्य - राष्ट्र री प्रगति
स्थापित 1935

समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• सितम्बर २०२६ • वर्ष ७७ • अंक ०९
मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

१९ सितम्बर २०२६; अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा (२०२५-२६) को संबोधित करते राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका। चित्र में परिलक्षित हैं - पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नन्दलाल रूँगटा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गिरधारी लाल गोयनका, राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदार नाथ गुप्ता, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री द्वय श्री पवन कुमार जालान एवं श्री पवन बंसल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री अनिल कुमार मलावत, निवर्तमान राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री श्री संजय गोयनका, श्री सुभाष चंद्र गोयनका, श्री अमित मुंधड़ा, श्री अरुण प्रकाश मल्लावत, श्री पवन कुमार जैन, श्री अमित डाबरीवाल, श्री नरेश डालमिया, श्रीमती श्वेता शर्मा, श्री सज्जन बेरीवाल, सी.ए. विष्णु तुलस्यान, श्री सुरेश अग्रवाल, श्री महेश पटवारी, श्री बिनोद लिहला, श्री ईश्वर लाल रूँगटा, श्री रमाकांत देवड़ा, श्री सुशील चौधरी, श्री अरुण कुमार गाड़ोदिया, श्री सीताराम अग्रवाल, श्री अजय नांगलिया एवं अन्य सदस्यगण।

इस अंक में

संपादकीय
- कृष्णम वंदे जगद्गुरुं

अध्यक्षीय
- त्योहार हमारी पहचान, संस्कार हमारी शक्ति

प्रांतीय समाचार
- उत्तर प्रदेश, सिक्किम, गुजरात छत्तीसगढ़, पूर्वोत्तर, झारखंड, उत्कल, आंध्र प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश

रपट
- राष्ट्रीय अध्यक्ष का सिलीगुड़ी दौरा
- स्वास्थ्य उपसमिति की बैठक
- वार्षिक साधारण सभा की बैठक
- पुरस्कार चयन उपसमिति की बैठक
- राष्ट्रीय संगठन मंत्री का शिलांग दौरा

विशेष पेज-२३

संस्कार-संस्कृति चेतना
- श्री कृष्ण जन्माष्टमी
- गणेशजी के जन्म और उनसे जुड़ी अनकही बातें
- हरतालिका तीज, अनंत चतुर्दशी

बधाई!

उत्तर प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नव निर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष

श्री मनोज अग्रवाल

बधाई!

देश की सुप्रसिद्ध पत्रिका 'फॉर्च्यून इंडिया' ने हाल ही में देश के शीर्षस्थ १०० व्यापारिक अरबपतियों की सूची जारी की है। हर्ष का विषय है कि इस सूची में हमारे पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नंदलाल जी रूंगटा के परिवार का व्यवसाय ६१वें नंबर पर सम्मिलित किया गया है। समाज एवं समस्त सम्मेलन परिवार के लिए यह गर्व का विषय है। अनेकानेक हार्दिक बधाइयाँ।

पूर्ण विवरण पृष्ठ-३

श्री नन्दलाल रूंगटा
श्री मुकुंद रूंगटा

साहित्य पुरस्कारों की घोषणा

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®

CENTURYLAMINATES®

CENTURYVENEERS®

CENTURYDOORS®

CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates

CENTURYPVC®

CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board

CENTURYPROWUD®
MDF-The **wood** of the future

zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

SAINIK 710
WATERPROOF PLY

SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.

Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088

For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on **1800 5722 122**

समाज विकास

◆ सितम्बर २०२६ ◆ वर्ष ७७ ◆ अंक ९

◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **चिट्ठी आई है**	४
● **संपादकीय :** कृष्णम वंदे जगद्गुरुं	५
● **अध्यक्षीय :** त्योहार हमारी पहचान, संस्कार हमारी शक्ति	७
● **सम्मेलन समाचार एवं रपट**	
राष्ट्रीय अध्यक्ष का सिलीगुड़ी दौरा	८
स्वास्थ्य उपसमिति की बैठक	९
वार्षिक साधारण सभा की बैठक	१०
पुरस्कार चयन उपसमिति की बैठक	१३
राष्ट्रीय संगठन मंत्री का शिलांग दौरा	१४
विशेष संस्कार-संस्कृति चेतना	
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी	१९
गणेशजी के जन्म और उनसे जुड़ी अनकही बातें	२०
हरतालिका तीज, अनंत चतुर्दशी	२१
● **प्रांतीय समाचार** उत्तर प्रदेश, सिक्किम, गुजरात, छत्तीसगढ़, पूर्वोत्तर, झारखंड, उत्कल, आंध्र प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश	१४-१८,२३-२८,३१-३७
● **कविता - शिव कुमार लोहिया**	३७
● नए सदस्यों का स्वागत	३८

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं संपर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिए **भानीराम सुरेका** ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ संपादक : शिव कुमार लोहिया

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

विशेष

देश के शीर्षस्थ व्यावसायिक सूची में रुंगटा परिवार शामिल

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन परिवार के लिए यह अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि देश की प्रतिष्ठित व्यावसायिक पत्रिका **'फॉर्च्यून इंडिया'** द्वारा इस वर्ष २०२६ में प्रकाशित भारत के शीर्ष १०० व्यवसायिक परिवारों की सूची में रुंगटा परिवार को स्थान प्राप्त हुआ है। सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार प्रांत के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्रद्धेय **श्री नन्दलाल रुंगटा** तथा उनके भाई एवं निर्देशक **श्री मुकुंद रुंगटा** की यह उपलब्धि पूरे मारवाड़ी समाज के लिए गौरव का विषय है।

फॉर्च्यून इंडिया की प्रकाशित सूची के अनुसार रुंगटा बंधुओं का परिवार इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल हुआ है।

चाईबासा से प्रारंभ हुई रुंगटा परिवार की औद्योगिक यात्रा आज राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुकी है। वर्ष १९६२ में श्री सीताराम रुंगटा (मेसर्स एस.आर. रुंगटा) के संकल्प और कर्मठता से प्रारंभ हुई यह यात्रा कालांतर में श्री नन्दलाल रुंगटा एवं श्री मुकुंद रुंगटा के नेतृत्व में निरंतर विस्तार पाती गई। परिश्रम, दूरदृष्टि और उद्यमशीलता के बल पर परिवार ने अपनी औद्योगिक विरासत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

चाईबासा को देश के प्रमुख लौह अयस्क समृद्ध क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। यहीं से खनन कारोबार शुरू कर राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का रुंगटा परिवार का यह सफर स्थानीय औद्योगिक क्षमता और उद्यमिता का बड़ा उदाहरण है। कभी चाईबासा की खदानों से शुरू हुआ उनका कारोबार आज राष्ट्रीय मानचित्र पर मजबूती से स्थापित हो चुका है।

खनन क्षेत्र में निरंतर विस्तार, आधुनिक तकनीक का उपयोग और रोजगार सृजन में रुंगटा परिवार की भूमिका अहम रही है। उनके इस कारोबार से हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला है।

व्यावसायिक उपलब्धियों के साथ-साथ समाज के प्रति रुंगटा परिवार की आत्मीयता और सेवा-भावना भी सदैव उल्लेखनीय रही है। श्री नन्दलाल रुंगटा का अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में योगदान तथा बिहार प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष के रूप में उनकी सक्रिय भूमिका सम्मेलन परिवार के लिए विशेष महत्व रखती है। समाज और संगठन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने उन्हें मारवाड़ी समाज में एक विशिष्ट सम्मान दिलाया है।

सम्मेलन की ओर से रुंगटा परिवार को हार्दिक बधाईयाँ एवं शुभकामनाएं!

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

प्री-वेडिंग शूट

हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

चिट्ठी आई है

बाढ़ राहत हेतु राष्ट्रीय सम्मेलन का सहयोग

असम की भीषण बाढ़ ने असंख्य परिवारों के जीवन को प्रभावित किया। ऐसे कठिन समय में राहत केवल सामग्री या धनराशि नहीं होती, बल्कि वह पीड़ितों के लिए यह विश्वास भी होती है कि संकट की घड़ी में समाज उनके साथ खड़ा है।

राष्ट्रीय ई-पत्रिका में प्रकाशित विवरण के अनुसार, आपदा सहायता के लिए राशि एकत्रित की गई है। यह सहयोग निश्चित रूप से अत्यंत प्रशंसनीय और अनुकरणीय है।

इस पुनीत सेवा-अभियान के लिए अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन गोयनका के प्रति हृदय से आभार एवं साधुवाद। उनके संवेदनशील नेतृत्व में राष्ट्रीय पदाधिकारियों, प्रांतीय एवं शाखा पदाधिकारियों तथा देशभर के समाजबंधुओं ने जिस आत्मीयता और सेवाभाव के साथ असम की पीड़ा को अपनी पीड़ा समझकर सहयोग का हाथ बढ़ाया, वह मारवाड़ी समाज की सेवा, संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व की उज्ज्वल परंपरा का परिचायक है।

यह राशि केवल एक आर्थिक सहयोग नहीं है; यह संवेदनाओं का संकल्प है, विपत्ति में साथ खड़े होने का विश्वास है और मानवता के प्रति समाज की प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है।

जब बाढ़ का पानी घरों की चौखट लाँघ जाता है, तब किसी दूर बैठे अपने का बढ़ा हुआ हाथ आशा की किरण बन जाता है। असम के बाढ़ पीड़ितों तक पहुँची यह सहायता उसी आत्मीयता की अभिव्यक्ति है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन गोयनका एवं समस्त पदाधिकारियों सहित प्रत्येक सहयोगी समाजबंधु को इस पुण्य एवं मानवीय पहल के लिए हृदय की गहराइयों से साधुवाद।

ईश्वर से प्रार्थना है कि सेवा की यह भावना निरंतर प्रवाहित होती रहे और समाज की सामूहिक संवेदना जहाँ पीड़ा हो, वहाँ सहायता और जहाँ निराशा हो, वहाँ आशा बनकर पहुँचती रहे।

सादर नमन एवं हार्दिक आभार।

– **राजेन्द्र हरलालका**, प्रान्तीय उपाध्यक्ष
पुर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर **मद्यपान** करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

MARWARI SAMMELAN FOUNDATION
(A Trust of All India Marwari Federation)

उच्च शिक्षा कोष

समाज के बच्चों को शिक्षित कर परिवार को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल

विगत १५ वर्षों में देश के विभिन्न भागों के सैंकड़ों छात्र-छात्राओं को करीब साढ़े ४ करोड़ रुपयों का दिया जा चुका है अनुदान

उदारहृदय समाजबंधुओ का मिल रहा है तहेदिल से साथ

आप भी बढ़ाएँ सहयोग का हाथ समाज के सर्वांगीण विकास में बनें भागीदार!

आर्थिक सहयोग हेतु :

A/c Name : Marwari Sammelan Foundation
A/C Higher Education Fund, A/c No. : 912010008929768
Bank : Axis Bank Ltd.
Branch : Paddapukur, Kolkata-700020
IFSC Code : UTIB0001311

सम्पर्क करें :

MARWARI SAMMELAN FOUNDATION
4B, Duckback House (4th Floor)
41, Shakespeare Sarani, Kolkata - 700017
Ph : 033-4004 4089, Mb : 86973 17557
Web : www.marwarisammelan.com
Email : aimf1935@gmail.com

छात्र/छात्राएँ निःशुल्क छात्रवृत्ति के लिये सम्पर्क करें

ईंजीनियरिंग, टेक्निकल, चिकित्सा, मैनेजमेंट आदि क्षेत्रों में स्नातकोत्तर-उच्च शिक्षा के लिये छात्रवृत्ति हेतु समाज के मेघावी एवं जरुरतमंद छात्र-छात्राओं से आवेदन आमंत्रित हैं।

पात्रता :

(क) १७ और २५ वर्षो के बीच के उम्र के मेधावी छात्र-छात्राएँ जिनका शैक्षिक परीक्षाओ में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा हो और जिन्हें केवल अपनी योग्यता के बल पर किसी मान्यताप्राप्त शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश मिल रहा हो।

(ख) जिन आवेदकों के माता-पिता की वार्षिक आय आठ लाख रुपये तक होगी, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रक्रिया :

(क) पूर्व शैक्षिक प्रमाणपत्रो, प्रवेश के प्रमाण, पासपोर्ट साइज के दो फोटो, पहचान पत्र एवं पते का कोई एक प्रमाण, कोर्स फीस (फीस संरचना एवं संस्थान के बैंक खाते का विवरण, पूरे परिवार का एक फोटो, पारिवारिक आय प्रमाणपत्र, अभिभावक का पुनर्भुगतान पत्र, प्रस्तावक का अनुशंसा पत्र एवं प्रांतीय अध्यक्ष द्वारा अनुशंसा पत्र।

(ख) एक छात्र-छात्रा को वर्ष में अधिकतम दो लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जा सकती है।

(ग) प्रतिवर्ष कुछ छात्रवृत्तियाँ छात्र-छात्राओं के लिए सुरक्षित है।

आवेदन करें :

चेयरमैन, उच्च शिक्षा उपसमिति, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
५बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपियर सरणी, कोलकाता-१७,
फोन : (०३३) ४००४४०८९, ईमेल : msfkolkata@gmail.com

डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया
चेयरमैन, उच्च शिक्षा उपसमिति

संतोष सराफ
संयोजक, उच्च शिक्षा उपसमिति

कृष्णम वंदे जगद्‌गुरुं

भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में हम हमारे सभी त्योहारों को श्रद्धा, भक्ति, उमंग एवं उल्लास के साथ मनाते हैं। त्योहार हमारे जीवन में नई ऊर्जा का संचार करने के साथ-साथ इनमें निहित उत्सव धर्मिता से हमें अप्लावित करते हैं। सभी त्योहारों में कृष्ण जन्माष्टमी का एक विशिष्ट स्थान है। कारण कि कृष्ण इतने बहुआयामी है कि अलग-अलग लोगों ने उन्हे अलग-अलग तरीके से देखा एवं अनुभव किया है। उनका व्यक्तित्व विलक्षण एवं अलौकिक है, जिसमें प्रेम, कूटनीति, दर्शन, ज्ञान और पराक्रम का अद्‌भुत समन्वय मिलता है। उनका व्यक्तित्व ऐसा है जिसकी अन्य किसी अवतार से तुलना नहीं की जा सकती। एक ओर वे रसराज, रसेश्वर, रसिक बिहारी हैं तो दूसरी ओर योगेश्वर तथा योगीराज हैं। भगवान के रूप में कृष्ण का जन-जन के साथ जितनी निकटता हैं उतना अन्य अवतारों में देखने को नहीं मिलता। उनका अलग-अलग स्वरूप अपने आप में अलग-अलग विशेषता लिए हुए हैं एवं सभी अद्वितीय हैं। एक ओर अधरों पर बांसुरी रखते हैं तो दूसरी ओर सुदर्शन चक्र धारण कर दुष्टो का संहार करते हैं। वे काव्य, संगीत, नित्य, अभिनय चित्र कला एवं ललित कलाओं के प्रणेता है।

कृष्ण का शाब्दिक अर्थ है सबको अपनी ओर आकर्षित करने वाला। वे सबका मन और चेतना अपनी ओर खींचते हैं। संपूर्ण ब्रह्मांड में आकर्षण एवं प्रेम के स्रोत माने जाते हैं। उनकी बुद्धिमत्ता, चातुर्य, युद्ध नीति, कूटनीति, आकर्षण, प्रेमभाव, करुणा, दया एवं गुरुत्व के साथ संपूर्ण मानव जाति को जीने की कला सिखाते हैं। वे संपूर्ण है, तेजोमय है, ब्रह्म है, भगवान है। बाल गोपाल, यशोदा नंदन, रणछोड़, अर्जुन के सारथी, पांडवों के दूत, राधा के कृष्ण, गोपियों के शाखा, द्रोपदी के रक्षक, सुदामा के मित्र, माखन चोर, चित चोर, गोपालक, गोवर्धन धारी और न जाने कितने रुप में जाने जाते हैं।

हमारे आचार्यो का कहना है कृष्ण में अनंत मात्रा में ६४ प्रमुख गुण है। विशेष रूप में उनके चार गुणों का उल्लेख किया जाता है:-

लीला माधुरी - वे अनेक प्रकार के अद्‌भुत लीलाओं के कर्ता है।

भक्ति माधुरी - वे ईश्वर के प्रति अद्‌भुत प्रेम से परिपूर्ण भक्तों से घिरे हुए रहते हैं।

वेणु माधुरी - वह अपनी बांसुरी बजाकर समस्त ब्रह्मांडों के सभी जीवों को आकर्षित कर सकते हैं।

रूपा माधुरी - उनके सौंदर्य की अद्‌भुत उत्कृष्टता है, जिसकी सृष्टि में कहीं भी तुलना नहीं की जा सकती।

उनका एक अन्य नाम है वासुदेव - **वसति इति वासु**। वह परम परमात्मा जो कण-कण में विराजमान है और जिसमें सभी प्राणी निवास करते हैं तथा जो सभी प्राणियों में बसता है। भगवद्‌गीता के सातवें अध्याय के १९वें श्लोक में भगवान कहते हैं: **'वासुदेवः सर्वम्'**, जिसका अर्थ है कि वासुदेव ही सब कुछ हैं। वे ही वह परम धन हैं जिसे ज्ञानी पुरुष पाना चाहते हैं, यानी मोक्ष। कृष्ण का जन्म कोई साधारण घटना नहीं थी। वह एक दिव्य अवसर था। पूरा ब्रह्मांड इसका सहभागी बना। भगवान अपने पूर्ण ऐश्वर्यशाली चतुर्भुज विष्णु रूप में प्रकट हुए। यह दिव्य दर्शन देवकी एवं वासुदेव को कंस के भय से मुक्त करने उन्हें उनके पूर्व जन्मों की तपस्या का स्मरण कराने और उन्हें आश्वस्त करने के लिए था कि स्वयं परम ब्रह्म सच्चिदानंद विग्रह भगवान ने जन्म लिया है। भगवान के शिष्य रूप में परिवर्तित होते ही आलौकिक घटनाओं की श्रंखला प्रारम्भ हो गई; हथकडियां स्वयं ही खुल गई, कारागार के विशाल दरवाजे खुल गए, सभी क्रूर पहरेदार गहरी नींद में सो गए। यमुना जी पूरे ऊफान में थी। श्री कृष्ण का चरण स्पर्श करते ही शांत हो गए। यहां पर कृष्ण के जन्म के एक आध्यात्मिक पक्ष भी है जो कि इस प्रकार है -

कंस - अहंकार एवं भौतिक आसक्ति
देवकी - शुद्ध भक्ति
वासुदेव - शुद्ध चेतना
कारागार - अज्ञान एवं संसार की बाधायें
यमुना - कर्म और संसार की बाधाएं।

गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कहा है –

सर्वधर्मान्परित्यज्य मामेकं शरणं व्रज।
अहं त्वां सर्वपापेभ्यो मोक्षयिष्यामि मा शुचः।।

अर्थ : सभी प्रकार के कर्तव्यों और धर्मों का त्याग करके केवल मुझ एक भगवान की शरण में आ जाओ। मैं तुम्हें सभी पापों से मुक्त कर दूंगा, तुम शोक (चिंता) मत करो।

इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपना कर्म नहीं करें भगवान यह कहते हैं कि काम सबके लिए अति आवश्यक है पर कर्म करते हुए मेरा स्मरण करो उन्होंने कहा है –

तस्मात्सर्वेषु कालेषु मामनुस्मर युध्य च।
मय्यर्पितमनोबुद्धिर्मामेवैष्यस्यसंशयम्।।

अर्थ : इसलिए तुम हर समय मेरा स्मरण करो और युद्ध भी करो। अपने मन और बुद्धि को मुझमें अर्पित करके तुम बिना किसी संदेह के मुझे ही प्राप्त होगे।

स्वयं भगवान होते हुए भी मानव कल्याण के लिए उन्होंने मानव शरीर का धारण किया और अपने जीवन काल में ऐसी-ऐसी लीलाएं की, जो विश्व में कहीं भी देखने को नहीं मिलती। मानव के कल्याण के लिए वे इतने करुणामय थे कि चैतन्य महाप्रभु के रूप में ५०० वर्ष पहले उन्होंने कृष्ण नाम के महत्व को पूरे जन-जन तक पहुंचाया एवं मानव मात्र को संदेश दिया कि कलयुग में कृष्ण का नाम ही हमें संकटों से उबार सकता है। गीता के चौथे अध्याय में कहा गया है:–

जन्म कर्म च मे दिव्यमेवं यो वेत्ति तत्त्वतः।
त्यक्त्वा देहं पुनर्जन्म नैति मामेति सोऽर्जुन।।९।।

अर्थ : हे अर्जुन! मेरे जन्म और कर्म अलौकिक (दिव्य) हैं। इस प्रकार जो मनुष्य इसे वास्तविक रूप से (तत्त्व से) जान लेता है, वह शरीर को छोड़ने के बाद पुनर्जन्म को प्राप्त नहीं होता, बल्कि सीधे मुझे ही प्राप्त होता है।

भगवद गीता में श्री कृष्ण कहते हैं कि हमारा अधिकार केवल कर्म करने पर है, उसके फल पर नहीं। फल की चिंता छोड़ने से मन का बोझ कम होता है। आत्मा की अमरता: गीता सिखाती है कि शरीर नश्वर है लेकिन आत्मा अमर है। इससे मृत्यु का भय समाप्त होता है। **कर्तव्य पालन (धर्म):** कठिन परिस्थितियों में भी अपने धर्म और कर्तव्य से पीछे न हटने की प्रेरणा गीता से मिलती है। **मन पर नियंत्रण:** मन ही हमारे बंधनों और मोक्ष का कारण है। इसे अभ्यास और वैराग्य से वश में किया जा सकता है। **समत्व (संतुलन):** सुख-दुःख, लाभ-हानि और जय-पराजय को समान भाव से स्वीकार करना ही सच्चा योग और शांति है।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी का अवसर एक ऐसा अवसर है कि इस दिव्य जन्म कथा का सत्य रूप में श्रवण और मनन मात्र से ही एक प्रकार की भक्ति सिद्ध हो जाती है जो साधक को भौतिक अस्तित्व के सागर से परे ले जाकर परम मुदित मोक्ष प्रदान करने में समर्थ है।

यह परम आवश्यक है कि कृष्ण को सिर्फ भगवान के रूप में पूजने के साथ-साथ उनकी विशिष्ट लीलाओं, उनके विशिष्ट संदेश, उनकी महत्ता के विषय में हम अपने भावी पीढ़ी को बताएं। हम स्वयं भी इस संदेश को समझ कर अपने जीवन में उतारें एवं पालन करें। **श्री कृष्ण जन्माष्टमी की अनेकानेक हार्दिक शुभकामनाएं।**

शिव कुमार लोहिया

RAM RATTAN GROUP
Developing Farmhouse Communities
45 YEARS OF
राम रतन का नौगाँव
दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे के समीप
गुरुग्राम से मात्र 60 मिनट
दिल्ली एवं नोएडा से मात्र 90 मिनट
प्रीमियम फार्महाउस जीवनशैली का अनुभव करें, जहाँ निवेश पर 44% तक संभावित रिटर्न (ROI) का अवसर है।
6 प्रतिष्ठित परियोजनाएँ
500+ बीघा विकसित भूमि
1000+ संतुष्ट ग्राहक
AVERAGE 44% ROI
SOURCE: ANAROCK REPORT
Email ID: enquiry@ramrattangroup.com | Website: www.ramrattangroup.com +91 99108 88324
DISCLAIMER: This advertisement is for informational purposes only and does not constitute an offer or solicitation for the sale of securities or financial products. The investment opportunity pertains strictly to agricultural land and is subject to applicable laws and regulations. The advertiser assumes no responsibility for any claims, representations, or outcomes related to this investment. Terms and conditions apply. 1 Bigha = 2529.28 m². 1 Acre= 4047 m² The statement "90 minutes from Delhi to Naugaon" is indicative and based on an approximate travel distance of 115 km, measured from Mithapur, New Delhi to Naugaon. The estimated travel time is calculated under optimal traffic conditions, normal weather, and uninterrupted road connectivity. Actual travel time may vary depending on factors including, but not limited to traffic density, route selection, road conditions, vehicle type, driving speed, regulatory restrictions, and unforeseen circumstances. This communication is for general information and marketing purposes only and does not constitute a representation, warranty, or assurance of exact travel time.
SCAN THE QR CODE

त्योहार हमारी पहचान, संस्कार हमारी शक्ति

पवन कुमार गोयनका
राष्ट्रीय अध्यक्ष

भारत की पहचान केवल उसकी भौगोलिक सीमाओं से नहीं है। भारत की वास्तविक पहचान उसकी 'सनातन संस्कृति, जीवन-मूल्यों, परंपराओं और संस्कारों' में निहित है। हजारों वर्षों से हमारी संस्कृति ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं, अनेक परिवर्तन देखे हैं, लेकिन उसकी मूल चेतना आज भी उतनी ही जीवंत है। इसका सबसे बड़ा कारण है–हमारी पर्व एवं त्योहारों की समृद्ध परंपरा।

हमारे यहां त्योहार केवल उत्सव नहीं होते। वे जीवन को दिशा देने वाले अवसर होते हैं। वे परिवार को जोड़ते हैं, समाज को एक करते हैं, नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से परिचित कराते हैं और हमें अपने दायित्वों का स्मरण कराते हैं।

इसीलिए मेरा दृढ़ विश्वास है कि त्योहार मनाना केवल परंपरा निभाना नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक पहचान को जीवित रखना है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के वर्तमान सत्र में हमने समाज के समक्ष भारतीय पर्व-त्योहारों को पूरे उत्साह, श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाने का आह्वान किया है। मैं इसे केवल एक कार्यक्रम या अभियान के रूप में नहीं देखता। यह हमारी सामूहिक सांस्कृतिक जिम्मेदारी है।

इस पर्व-श्रृंखला में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, दही हांडी, शिक्षक दिवस, अजा एकादशी, हरतालिका तीज, गणेश चतुर्थी एवं गणेशोत्सव, ऋषि पंचमी, विश्वकर्मा पूजा, कन्या संक्रांति, अनंत चतुर्दशी एवं गणेश विसर्जन तथा पितृपक्ष जैसे अनेक महत्वपूर्ण अवसर हमारे सामने हैं।

इनमें से प्रत्येक पर्व हमें जीवन का एक महत्वपूर्ण संदेश देता है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी हमें धर्म, कर्म और कर्तव्य के प्रति सजग करती है। भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें सिखाता है कि कठिन से कठिन परिस्थिति में भी सत्य और धर्म का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए।

शिक्षक दिवस हमें गुरु के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का संस्कार देता है। भारत की महान ज्ञान-परंपरा में गुरु का स्थान सदैव सर्वोच्च रहा है। इसलिए गुरु का सम्मान केवल एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि जीवनभर निभाया जाने वाला संस्कार होना चाहिए।

हरतालिका तीज हमारी पारिवारिक एवं सामाजिक परंपराओं को मजबूत करती है। गणेशोत्सव श्रद्धा के साथ सामाजिक एकता और सामूहिक सहभागिता का अवसर बनता है।

ऋषि पंचमी हमें उन ऋषि-मुनियों का स्मरण कराती है, जिन्होंने ज्ञान और चिंतन की महान परंपरा को आगे बढ़ाया। विश्वकर्मा पूजा हमें श्रम, कौशल, निर्माण और सृजन के महत्व का संदेश देती है। अनंत चतुर्दशी हमें श्रद्धा के साथ अपने सामाजिक एवं पर्यावरणीय दायित्वों के प्रति जागरूक करती है। वहीं पितृपक्ष हमें अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और उनके त्याग एवं संस्कारों को स्मरण करने का अवसर देता है।

अर्थात् हमारे त्योहार केवल धार्मिक आस्था के केंद्र नहीं हैं; वे जीवन के संस्कारों की पाठशाला हैं।

हमारे पूर्वजों ने हमें केवल संपत्ति, व्यापार और व्यवसाय की विरासत नहीं दी। उन्होंने हमें एक ऐसी अमूल्य पूंजी दी, जिसका कोई आर्थिक मूल्य निर्धारित नहीं किया जा सकता–संस्कारों और संस्कृति की पूंजी।

उन्होंने हमें परिवार का महत्व समझाया। समाज के प्रति दायित्व सिखाया। सेवा का संस्कार दिया। अपनी भाषा, परंपरा और संस्कृति के प्रति सम्मान करना सिखाया।

आज हम आर्थिक और व्यावसायिक रूप से आगे बढ़ रहे हैं। हमारी नई पीढ़ी देश-विदेश में शिक्षा प्राप्त कर रही है, नए व्यवसाय खड़े कर रही है, आधुनिक तकनीक अपना रही है और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही है। यह हमारे लिए गर्व की बात है।

लेकिन इसी विकास के बीच हमें एक प्रश्न स्वयं से पूछना होगा–

क्या हमारी नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से भी उतनी ही मजबूती से जुड़ी हुई है?

यदि इसका उत्तर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, तो हमें अभी से प्रयास करना होगा।

आज की Gen Z और आने वाली पीढ़ी का संसार हमसे बहुत अलग है। उनका जीवन डिजिटल है, उनकी सोच वैश्विक है और उनके सामने अवसरों का संसार बहुत व्यापक है।

हम उन्हें आधुनिकता से दूर नहीं करना चाहते और न ही ऐसा करना उचित है। हमें उन्हें आधुनिक बनाना है, लेकिन अपनी जड़ों से काटकर नहीं। हमें उन्हें तकनीक सिखानी है, लेकिन संस्कारों के साथ। उन्हें वैश्विक दृष्टि देनी है, लेकिन भारतीय चेतना के साथ। उन्हें सफलता की ओर ले जाना है, लेकिन समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी के साथ।

मैं समाज के प्रत्येक अभिभावक से आग्रह करता हूं कि त्योहारों को बच्चों के लिए केवल नए कपड़े पहनने, मिठाई खाने और मनोरंजन का अवसर न बनने दें। उन्हें इन पर्वों का अर्थ और संदेश भी बताएं।

बच्चों से पूछें कि श्रीकृष्ण ने हमें क्या सिखाया?

गुरु का सम्मान क्यों किया जाता है?
गणेशोत्सव का सामाजिक महत्व क्या है?
ऋषि पंचमी हमें किस परंपरा से जोड़ती है?
पितृपक्ष में हम अपने पूर्वजों को क्यों स्मरण करते हैं?

जब बच्चे प्रश्न पूछेंगे और हम उन्हें उत्तर देंगे, तभी परंपरा उनके मन में जीवित होगी।

हमारी नई पीढ़ी को त्योहारों में केवल दर्शक नहीं बनाना है, बल्कि सहभागी और नेतृत्वकर्ता बनाना है।

गणेशोत्सव की व्यवस्था युवाओं को दें।
सांस्कृतिक कार्यक्रमों की जिम्मेदारी उन्हें दें।
सेवा कार्यों में उन्हें आगे करें।

रक्तदान, स्वास्थ्य शिविर, वृक्षारोपण, जरूरतमंदों की सहायता जैसे कार्यों को त्योहारों से जोड़ें।

हमारी शाखाएं भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। प्रत्येक शाखा अपने क्षेत्र में वर्षभर के प्रमुख भारतीय पर्वों की योजना बनाकर उनमें बच्चों और युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करे।

मैं चाहता हूं कि **हमारे त्योहार केवल "मनाए" न जाएं, बल्कि "जीए" जाएं।**

हमारा ध्येय वाक्य– **"म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति"** –हमें यही प्रेरणा देता है कि समाज की प्रगति और राष्ट्र की प्रगति साथ-साथ चलें।

इसलिए इस पर्व-श्रृंखला के अवसर पर मैं सम्मेलन से जुड़े प्रत्येक पदाधिकारी, सदस्य, शाखा और समाज के प्रत्येक परिवार से आग्रह करता हूं–

त्योहार मनाइए, लेकिन उनके संदेश को भी समझिए।
परंपराएं निभाइए, लेकिन उन्हें नई पीढ़ी तक भी पहुंचाइए।
उत्सव मनाइए, लेकिन उसमें सेवा को भी स्थान दीजिए।
आधुनिक बनिए, लेकिन अपनी जड़ों को मत भूलिए।

हमारी अगली पीढ़ी केवल यह न जाने कि हमारे त्योहार कौन-कौन से हैं, बल्कि यह भी जाने कि उनके पीछे कौन-से मूल्य, कौन-सी भावना और कौन-सा जीवन-दर्शन छिपा है।

क्योंकि हमें अपनी संस्कृति केवल अगली पीढ़ी को सौंपनी नहीं है– हमें उसे उनके हाथों में और अधिक समृद्ध, सशक्त और जीवंत बनाकर सौंपना है।

आइए, पर्वों के इस पावन अवसर पर हम सब मिलकर इस विरासत को सुरक्षित रखने, समृद्ध करने और आने वाली पीढ़ियों तक गर्व के साथ पहुंचाने का संकल्प लें।

त्योहारों की रोशनी हमारे घरों को ही नहीं, हमारे संस्कारों को भी प्रकाशित करे;

उत्सव का उल्लास केवल हमारे चेहरों पर नहीं, हमारे समाज के जीवन में भी दिखाई दे;

और हमारी संस्कृति की यह अमर ज्योति पीढ़ी-दर-पीढ़ी इसी प्रकार प्रज्वलित होती रहे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का सिलीगुड़ी दौरा

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने २३ सितंबर २०२६ को सिलीगुड़ी का एक दिवसीय सांगठनिक दौरा किया। इस अवसर पर आयोजित बैठक में पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की सांगठनिक स्थिति, गतिविधियों एवं भावी विस्तार को लेकर सार्थक एवं व्यापक विचार-विमर्श हुआ।

बैठक में सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठनमंत्री श्री बसंत सुराणा, सिलीगुड़ी शाखा के शाखामंत्री श्री अरुण कंदोई सहित श्री छगन लाल जैन, श्री कमल शर्मा, श्री महेंद्र रामपुरिया, श्री बिष्णु मित्तल, श्री मोहनलाल धानोटीवाला, श्री बिश्वनाथ रामपुरिया, श्री बिनोद कंसल एवं अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

चर्चा के दौरान संगठन को अधिक सक्रिय एवं सुदृढ़ बनाने, शाखाओं की कार्यप्रणाली को गति देने तथा सम्मेलन की गतिविधियों का व्यापक विस्तार करने पर विशेष जोर दिया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने सांगठनिक एकजुटता एवं सक्रिय सहभागिता को संगठन की मजबूती का आधार बताते हुए समाजबंधुओं को सम्मेलन की गतिविधियों से अधिकाधिक जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया।

महिला शक्ति को संगठन से जोड़ने की पहल

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका एवं राष्ट्रीय संगठनमंत्री श्री बसंत सुराणा के २३ सितंबर २०२६ को सिलीगुड़ी दौरे के दौरान मातृशक्ति को संगठन से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हुई। सिलीगुड़ी की महिलाओं के साथ आयोजित विशेष बैठक में सम्मेलन की महिला शाखा के गठन को लेकर उत्साहपूर्ण एवं सार्थक विचार-विमर्श हुआ।

श्रीमती तनिषा गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित इस बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने महिलाओं से आत्मीय संवाद करते हुए सम्मेलन के सामाजिक सरोकारों, संगठनात्मक गतिविधियों तथा समाज निर्माण में मातृशक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार साझा किए। उन्होंने महिलाओं की सक्रिय सहभागिता को संगठन की व्यापकता और प्रभावशीलता के लिए महत्वपूर्ण बताया।

बैठक में सिलीगुड़ी में सम्मेलन की महिला शाखा के गठन को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई। उपस्थित महिलाओं ने संगठन के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने की इच्छा व्यक्त की तथा शीघ्र ही महिला शाखा के गठन की दिशा में आगे बढ़ने का आश्वासन दिया।

बैठक में सिलीगुड़ी शाखा के शाखामंत्री श्री अरुण कंदोई के साथ श्रीमती सीमा बैद, श्रीमती सीमा अग्रवाल, श्रीमती निशा मितरुका, श्रीमती तनिषा गुप्ता, श्रीमती रूबी बंसल, श्रीमती उमा माहेश्वरी, श्रीमती नीता अग्रवाल, श्रीमती कोमल लोहिया, श्रीमती प्रीति अग्रवाल, श्रीमती रंजना चौधरी, श्रीमती मेघा मित्तल, श्रीमती सलोनी राजगढ़िया एवं श्रीमती कोमल राठी के साथ सम्मेलन के अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

धन और सफलता से बढ़कर है स्वास्थ्य: श्री पवन कुमार गोयनका

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय सभागार में १२ सितंबर २०२६ को स्वास्थ्य उपसमिति के तत्वावधान में **"उच्च रक्तचाप एवं स्ट्रोक"** विषय पर महत्वपूर्ण **स्वास्थ्य संगोष्ठी** का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने तथा आधुनिक चिकित्सा संबंधी उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं स्वास्थ्य उपसमिति के संयोजक **श्री अनिल मलावत** ने **गायत्री मंत्र** के उच्चारण से किया। स्वास्थ्य उपसमिति के चेयरमैन **डॉ. विजय केजरीवाल** ने स्वागत संबोधन में कहा कि स्वास्थ्य जागरूकता अनेक गंभीर बीमारियों से बचाव का प्रभावी माध्यम है।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ताओं के रूप में **डॉ. रोहित मिश्रा**, HOD–Neurosurgery, चार्नोक हॉस्पिटल तथा **डॉ. बिपुल राय**, Consultant Cardiologist, चार्नोक हॉस्पिटल उपस्थित रहे। सम्मेलन के वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन श्री आत्माराम सोंथलिया ने दोनों विशिष्ट चिकित्सकों का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** ने जूम के माध्यम से की। उन्होंने कहा कि आज तनाव, अनियमित दिनचर्या, असंतुलित खान-पान और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण हृदय एवं न्यूरोलॉजिकल समस्याएँ बढ़ रही हैं। उन्होंने Preventive Healthcare, नियमित स्वास्थ्य जाँच, संतुलित आहार, योग-व्यायाम, पर्याप्त नींद और तनावमुक्त जीवनशैली अपनाने पर विशेष जोर दिया। श्री गोयनका ने सम्मेलन द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को समाज के अधिकाधिक लोगों तक पहुँचाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रतिष्ठित अस्पतालों के साथ MoU तथा Health ID Card जैसी पहल की जानकारी भी दी।

मुख्य वक्ता **डॉ. रोहित मिश्रा**, HOD–Neurosurgery, चार्नोक हॉस्पिटल ने ब्रेन एवं स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप, ब्रेन ट्यूमर, ट्रॉमा, स्पाइन संबंधी समस्याओं तथा मिर्गी के लक्षणों और बचाव के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने स्ट्रोक की स्थिति में Golden Period के महत्व के प्रति भी लोगों को जागरूक किया।

डॉ. बिपुल राय, Consultant Cardiologist, चार्नोक हॉस्पिटल ने हृदय रोग, हार्ट अटैक से बचाव, कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण, जंक फूड से परहेज तथा तनाव कम करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने संतुलित आहार में सब्जियों एवं फलों को शामिल करने तथा रात में सोने से पहले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उपयोग से बचने की सलाह दी। आधुनिक तकनीक और AI के माध्यम से चिकित्सा क्षेत्र में उपचार को अधिक सटीक बनाने की संभावनाओं पर भी उन्होंने प्रकाश डाला।

संगोष्ठी के दौरान पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन गाड़ोदिया**, राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका**, रामगढ़ जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री प्रकाश पटवारी** तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **डॉ. सुभाष अग्रवाल** सहित उपस्थित सदस्यों ने चिकित्सकों से स्वास्थ्य संबंधी प्रश्न पूछे, जिनका उन्होंने संतोषजनक उत्तर दिया।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य उपसमिति की सदस्य **श्रीमती श्वेता शर्मा** ने दोनों चिकित्सकों के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया। अंत में निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री **श्री कैलाशपति तोदी** ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं उपस्थित सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस अवसर पर **श्री जुगल किशोर जाजोदिया, श्री पियूष क्याल, श्री जगदीश प्रसाद गाड़ोदिया, श्री अमित मुंधरा, श्री श्रीगोपाल अग्रवाल, श्री भरत बैद, श्री नरेश डालमिया, श्री ब्रिज मोहन धूत, ज़ूम के माध्यम से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत सुराणा, निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश जैन, निवर्तमान राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री महेश जालान, श्री सुरेश अग्रवाल, श्री प्रकाश चौधरी, श्री विनोद जैन, श्री वि.के. गध्यान, श्री सज्जन बेरीवाल, श्री राजेंद्र झुनझुनवाला, श्री विनोद लोहिया, श्री रमाकांत देवड़ा, श्री बाबूलाल बंका, श्री रमेश पेरिवाल, श्री प्रकाश हरलालका, श्री कैलाश काबरा, श्री चंडी प्रसाद डालमिया, श्री किशोर जाजू, श्री सुशिल अग्रवाल, श्री सौरव गुप्ता, श्री रंजीत डालमिया, श्रीमती उर्मिला बंका** सहित बड़ी संख्या में सदस्यगण उपस्थित रहे।

संगठन विस्तार, सेवा और समाज विकास को गति देने का संकल्पः श्री गोयनका

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की **वार्षिक साधारण सभा** राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** की अध्यक्षता में सम्मेलन सभागार में १९ सितंबर सम्पन्न हुई। राष्ट्रीय महामंत्री **श्री केदारनाथ गुप्ता** ने तीन बार **'ॐ'** के उच्चारण के साथ सभा का शुभारंभ किया। देश के विभिन्न प्रांतों से सदस्य जूम के माध्यम से भी जुड़े।

राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** ने गत एक वर्ष की गतिविधियों का उल्लेख करते हुए कहा कि सम्मेलन ने संगठन विस्तार, समाज सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं संस्कृति संरक्षण के क्षेत्र में निरंतर कार्य किया है। २८वें राष्ट्रीय अधिवेशन में लिए गए संकल्पों के अनुरूप मायड़ भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल कराने के लिए राजस्थान एवं केंद्र सरकार के स्तर पर प्रयास जारी हैं। विभिन्न प्रांतों के दौरे के माध्यम से संगठन विस्तार एवं सामाजिक संस्थाओं को सम्मेलन से जोड़ने का कार्य भी किया गया।

उन्होंने बताया कि सीताराम रुंगटा मारवाड़ी सम्मेलन भवन के निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ हुई है। स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रतिष्ठित अस्पतालों के साथ एमओयू किए गए हैं। संस्कारशाला, युवा विकास, रोजगार, बिजनेस मीट, समाज सुधार तथा वैवाहिक एवं पारिवारिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में भी पहल की गई। विभिन्न प्रांतों में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने नई पीढ़ी को समाज की संस्कृति एवं संस्कारों से जोड़ने का प्रयास किया।

उच्च शिक्षा कोष के माध्यम से अब तक लगभग साढ़े चार करोड़ रुपये से अधिक की छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जा चुकी हैं, जबकि इस सत्र में ३७०० से अधिक नए सदस्य सम्मेलन से जुड़े। ऊपरी असम की बाढ़ के दौरान सम्मेलन द्वारा किए गए राहत कार्यों का भी उल्लेख किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों तथा सहयोगदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय महामंत्री **श्री केदारनाथ गुप्ता** ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसे सदस्यों ने करतल ध्वनि के साथ सर्वसम्मति से पारित किया। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री अनिल मलावत** ने वित्तीय वर्ष २०२५-२६ का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया, जिसे विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से स्वीकृति दी गई। मेसर्स गर्व एंड एसोसिएट्स, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को आगामी वार्षिक साधारण सभा तक सम्मेलन का लेखा-परीक्षक नियुक्त किया गया।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नन्दलाल रुंगटा** ने सदस्यता विस्तार की सराहना करते हुए प्रत्येक सत्र में कम से कम ५० विशिष्ट संरक्षक सदस्य बनाने, कमजोर प्रांतों में संगठन को मजबूत करने तथा उच्च शिक्षा सहयोग बढ़ाने का सुझाव दिया। उन्होंने सभी प्रांतों के बैंक खाते, 'समाज विकास' पत्रिका में विज्ञापन सहयोग, संगठनात्मक अनुशासन तथा सम्मेलन की निर्देशिका प्रकाशित करने पर भी जोर दिया।

Charnock
HOSPITALS
Airport | Girish Park
CHARNOCK LOHIA HOSPITAL
Charnock Hospital
Charnock Lohia Hospital
Bengal's First Tertiary Care Heritage Hospital
630 + BEDS
(COMBINED)
DEPARTMENTS
• Cardiology & CTVS • Neuromedicine • Neurosurgery
• Gastroenterology • Gynaecology
• Paediatrics (with Advanced NICU & PICU)
• Orthopaedics • Urology • Pulmonology
• Nephrology & Dialysis • Kidney Transplant and others...
SERVICES
24x7 CARDIAC EMERGENCY
24x7 TRAUMA CARE
24x7 EMERGENCY PHYSICIANS
24x7 QUALIFIED NURSES
24x7 AMBULANCE SERVICE
24x7 BURN UNIT*
Call for Query
85848 30801
www.charnockhospital.com | www.charnocklohiahospital.com

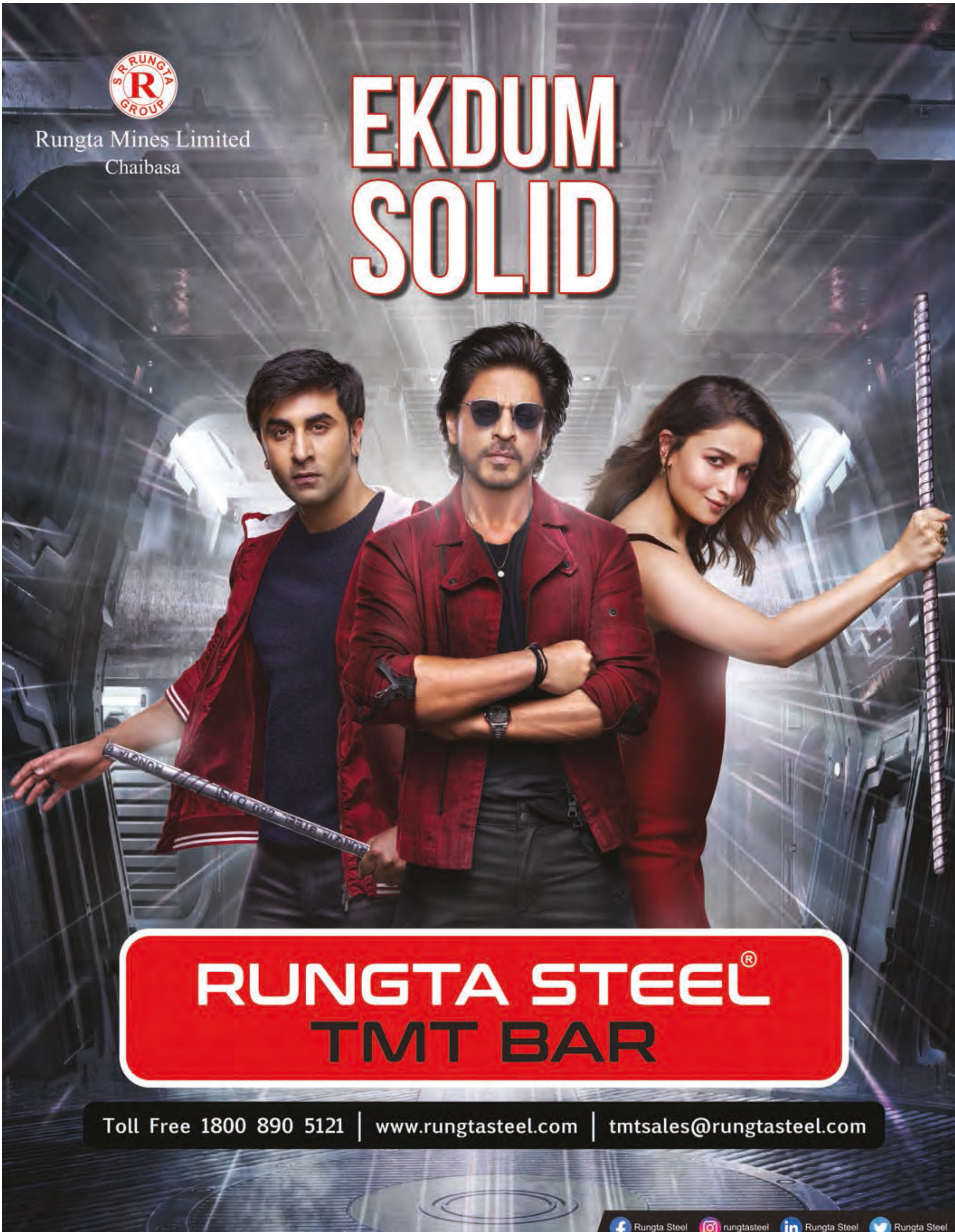

Rungta Office, Nagpur Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand-833201

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने सम्मेलन भवन के निर्माण की प्रगति की जानकारी देते हुए आगामी वर्ष तक इसके तैयार होने की संभावना बताई। उन्होंने उच्च शिक्षा में छोटे-छोटे सहयोग को बढ़ावा देने, समाज के प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य सुरक्षा से जोड़ने तथा **"एक सत्र-एक चुनाव"** की व्यवस्था पर विचार करने का सुझाव दिया। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने भी सुझावों का समर्थन किया।

अंत में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री गिरधारी लाल गोयनका** ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। देशभर से उपस्थित एवं जूम के माध्यम से जुड़े राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों तथा सदस्यों की सक्रिय सहभागिता के साथ सभा सम्पन्न हुई।

सभा ने संगठन को अधिक सशक्त, सक्रिय और समाजोपयोगी बनाने की दिशा में सामूहिक संकल्प को दोहराया।

सभा में **निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश जैन**, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री द्वय **श्री पवन कुमार जालान** एवं **श्री पवन बंसल**, निवर्तमान राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री **श्री संजय गोयनका, श्री आत्माराम सोंथालिया, श्री अरुण मल्लावत, श्री पवन जैन, श्री अमित डाबरीवाल, श्री रमाकांत देवड़ा, श्री केशव झुनझुनवाला, श्री सुभाष चंद्र गोयनका, श्री बिनोद कुमार लिहला, श्री जुगल किशोर जाजोदिया, श्री सुरेश अग्रवाल, श्री महेश पटवारी, श्री जगदीश प्रसाद गाड़ोदिया, श्री पीयूष क्याल, श्री अरुण गाड़ोदिया, श्रीमती श्वेता शर्मा, श्री अमित मुंधड़ा, श्री अजय नांगलिया, सी.ए. विष्णु तुलस्यान, श्री सुशील कुमार चौधरी, श्री अमित कुमार कहली, श्री ईश्वर लाल रुंगटा, श्री सज्जन बेरीवाल, श्री सीताराम अग्रवाल, श्री नरेश डालमिया, श्री जयंत कुमार बैद** सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

जूम के माध्यम से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **डॉ. सुभाष अग्रवाल**, झारखंड के प्रांतीय अध्यक्ष **श्री सुरेश अग्रवाल**, गुजरात प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष **श्री संजय अग्रवाल**, पूर्वोत्तर के प्रांतीय महामंत्री **श्री रमेश चांडक, श्री चंडी प्रसाद डालमिया, श्री मुकेश मित्तल, श्री प्रकाश चौधरी, श्री आलोक भावसिंका, श्री अशोक डालमिया, झारखंड प्रांत के महामंत्री श्री विनोद जैन, श्री सत्यनारायण चांडक, श्री विष्णु दयाल अग्रवाल, श्री रंजीत डालमिया, श्री विश्वनाथ अग्रवाल, श्री सज्जन खंडेलवाल, श्री रमेश बोंदिया, श्री राजेंद्र हरलालका, श्री प्रकाश पटवारी**, कर्नाटक के प्रांतीय अध्यक्ष **श्री शिव कुमार टेकरीवाल, श्री अरविन्द सलामपुरिया, श्री संजय अग्रवाल**, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री अनिल जाजोदिया, श्री हरिशंकर मोदी**, उत्तर प्रदेश प्रांत के प्रांतीय महामंत्री **श्री टीकम चंद सेठिया, श्री अजय गुप्ता, श्री रमेश, श्री अशोक के., श्री किशोर जाजू** सहित देश के विभिन्न भागों से अनेक सदस्य सभा में जुड़े।

पुरस्कार चयन उपसमिति की बैठक

सीताराम रुंगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान एवं केदारनाथ भागीरथी देवी कानोड़िया राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मान की घोषणा

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की **पुरस्कार चयन उपसमिति** की बैठक शनिवार, १९ सितंबर २०२६ को केंद्रीय कार्यालय सभागार, कोलकाता में प्रत्यक्ष एवं जूम के माध्यम से संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता पुरस्कार चयन उपसमिति के चेयरमैन एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने की, जबकि संचालन उपसमिति के संयोजक एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने जूम के माध्यम से किया।

बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका**, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण **श्री नन्दलाल रुँगटा** एवं **श्री संतोष सराफ**, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री गिरधारी लाल गोयनका**, राष्ट्रीय महामंत्री **श्री केदारनाथ गुप्ता**, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री अनील मलावत, श्री आत्माराम सोंथलिया** तथा जूम के माध्यम से **श्री कमल कुमार केडिया** उपस्थित रहे।

विस्तृत विचार-विमर्श के उपरांत वर्ष २०२६ के **'सीताराम रुंगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान'** के लिए श्रीगंगानगर, राजस्थान निवासी **श्री मनोज कुमार स्वामी** तथा **'केदारनाथ भागीरथी देवी कानोड़िया राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मान'** के लिए केकड़ी (अजमेर) निवासी **श्रीमती विमला नागला** का चयन किया गया। दोनों चयन उपसमिति के उपस्थित सदस्यों द्वारा सर्वसम्मिति से अनुमोदित किए गए।

उल्लेखनीय है कि सम्मेलन द्वारा राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं बाल-साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ये दोनों सम्मान प्रतिवर्ष प्रदान किए जाते हैं। इस पहल के माध्यम से राजस्थानी भाषा एवं साहित्य के सृजन, संरक्षण और संवर्धन को निरंतर प्रोत्साहन मिल रहा है।

बैठक के अंत में राष्ट्रीय महामंत्री **श्री केदारनाथ गुप्ता** ने सभी उपस्थित महानुभावों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

सम्मेलन समाचार

राष्ट्रीय संगठन मंत्री का शिलांग दौरा

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री बसंत कुमार सुराणा** ने दिनांक ५-६ सितंबर २०२६ को शिलांग का संगठनात्मक दौरा किया। इस दौरान पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ५वीं कार्यसमिति बैठक में सहभागिता की।

५ सितंबर को आयोजित सांस्कृतिक संध्या **'मेघधरा में मारवाड़'** में सहभागिता की।

६ सितंबर को स्टेट कन्वेंशन सेंटर, शिलांग में आयोजित बैठक में श्री बसंत कुमार सुराणा ने संगठन विस्तार, समाज सुधार, संस्कारशाला, महिला सहभागिता एवं सदस्यता वृद्धि पर विचार रखे। महिला शाखा की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता बजाज ने ३००-४०० नए सदस्यों को जोड़ने का आश्वासन दिया।

श्री बसंत कुमार सुराणा की मेघालय की प्रथम संगठनात्मक यात्रा थी। श्री काबरा जी एवं स्थानीय शिलांग आयोजन टीम द्वारा की गई व्यवस्थाओं एवं आत्मीय आतिथ्य की सराहना की गई।

प्रांतीय समाचार : उत्तर प्रदेश

शिक्षक दिवस पर ५० शिक्षकों का सम्मान

शिक्षक दिवस के अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन, कानपुर द्वारा सरस्वती विद्या इंटर कॉलेज में भव्य एवं गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह में शिक्षा जगत में उत्कृष्ट योगदान देने वाले ५० शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में विद्याभारती के संगठन मंत्री श्री रजनीश जी, मंत्री श्री पहलाद जी एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री रत्नेश अवस्थी जी की विशेष उपस्थिति रही।

मारवाड़ी सम्मेलन, कानपुर की ओर से अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री सीताराम मित्तल, उपाध्यक्ष श्री आनंद मोहन अग्रवाल, महामंत्री श्री प्रदीप केडिया, कोषाध्यक्ष श्री महेंद्र कुमार लडिया, श्री तरुण गर्ग, श्री नवीन चौधरी, श्री संदीप जैन सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

मनोज अग्रवाल बने प्रादेशिक अध्यक्ष

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से संबद्ध मारवाड़ी सम्मेलन कानपुर शाखा के सानिध्य में रविवार, २० सितंबर २०२६ को होटल ओसियन ग्रैंड, साकेत नगर में उत्तर प्रदेश प्रादेशिक चुनाव संपन्न हुए। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री बिनोद तोदी** की उपस्थिति में **श्री श्रीगोपाल तुलस्यान** एवं अन्य प्रादेशिक पदाधिकारियों ने **श्री मनोज अग्रवाल** को नवनिर्वाचित प्रादेशिक अध्यक्ष घोषित किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान से हुआ। सांवी ने गणेश वंदना तथा दीप्ति शर्मा ने वंदे मातरम् की प्रस्तुति दी। विशिष्ट अतिथि एमएलसी श्री अरुण पाठक एवं प्रादेशिक पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। श्री अरुण पाठक का दुशाला एवं स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मान किया गया। उन्होंने समाज की सेवा-परंपरा की सराहना की।

पूर्व प्रादेशिक अध्यक्ष श्री श्रीगोपाल तुलस्यान ने वर्ष २०२२--२०२६ के कार्यकाल की गतिविधियों की जानकारी दी। महामंत्री श्री टीकम चंद सेठिया ने संगठनात्मक कार्यों तथा कोषाध्यक्ष श्री आदित्य पोद्दार ने लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। सम्मेलन की ओर से सामूहिक विवाह आयोजित करने का प्रस्ताव भी रखा गया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री बिनोद तोदी ने बच्चों में संस्कार, महिलाओं एवं युवाओं की सहभागिता, भारतीय त्योहारों के संरक्षण तथा सामाजिक एकजुटता पर जोर दिया। बैठक में मायड़ भाषा संरक्षण, युवाओं के लिए मेंटरशिप एवं बिजनेस मीट, रोजगार-स्वरोजगार को बढ़ावा देने, विवाह में फिजूलखर्ची एवं सामाजिक कुरीतियों पर रोक तथा महिलाओं के सम्मान को प्राथमिकता देने पर चर्चा हुई। प्रादेशिक मीडिया प्रभारी विनीता अग्रवाल ने वैवाहिक रिश्तों में बढ़ती टूटन को रोकने के लिए विवाह प्रकोष्ठ गठित करने का सुझाव दिया।

कानपुर अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश अग्रवाल एवं चुनाव प्रचार मंत्री श्री महेश शर्मा ने भी अपने विचार रखे। श्री मनोज अग्रवाल को श्री महेश भगत ने चांदी का मुकुट पहनाकर शुभकामनाएं दीं। पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने माला व दुपट्टा पहनाकर उनका अभिनंदन किया तथा सभी प्रादेशिक पदाधिकारियों का दुशाला, दुपट्टा एवं स्मृति चिह्न से सम्मान किया गया।

श्री मनोज अग्रवाल ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए संगठन को और सशक्त बनाने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम में कानपुर महामंत्री श्री प्रदीप केडिया, कोषाध्यक्ष श्री महेंद्र लड़िया, श्री बाल कृष्ण देवड़ा, संरक्षक श्री सीताराम मित्तल, श्री राकेश पोद्दार सहित सम्मेलन के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

१३५वाँ स्थापना दिवस समारोह संपन्न

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की संबद्ध संस्था सिक्किम मारवाड़ी समाज ने २२ सितंबर २०२६ को मनन केंद्र, गंगटोक में अपना १३५वाँ स्थापना दिवस समारोह भव्य एवं गरिमामय रूप से मनाया। १३५ वर्षों के इतिहास में यह समाज का प्रथम विधिवत एवं आधिकारिक स्थापना दिवस समारोह सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एवं सिक्किम मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष **श्री सजन अग्रवाल** की अध्यक्षता में संपन्न हुई। आयोजन में समाज की दीर्घकालीन सेवा-परंपरा, सामाजिक सहभागिता, एकता एवं सांस्कृतिक विरासत का प्रभावशाली प्रदर्शन हुआ।

समारोह में सिक्किम के माननीय मुख्यमंत्री **श्री प्रेम सिंह तमांग**, माननीय राज्यपाल **श्री ओ. पी. माथुर**, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** तथा राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री बसंत कुमार सुराणा** सहित सिक्किम सरकार के अनेक मंत्रीगण, नगरपालिका के मेयर, डिप्टी मेयर, पार्षद एवं विभिन्न जिलों से आए समाज के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का स्वागत भाषण **श्री संदीप मालू** ने दिया। सिक्किम प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री सजन अग्रवाल** ने अध्यक्षीय संबोधन में समाज की सेवा-परंपरा को आगे बढ़ाने पर बल दिया तथा गंगटोक में होलिका दहन के लिए भूमि उपलब्ध कराने का आग्रह किया। समाज के जनरल सेक्रेटरी **श्री धीरज बंसल** ने समाज की प्रस्तावित परियोजना एवं उसकी रूपरेखा प्रस्तुत की।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने 'मारवाड़ी कौन है?' विषय पर विचार रखते हुए कहा कि "मारवाड़ी एक शब्द या जाति नहीं–जीवन शैली है।" उन्होंने संस्कार, सेवा, परिश्रम, उद्यमशीलता एवं सामाजिक प्रतिबद्धता को मारवाड़ी पहचान के प्रमुख आधारों के रूप में रेखांकित किया।

माननीय मुख्यमंत्री श्री प्रेम सिंह तमांग ने सिक्किम में पिछले १३५ वर्षों के दौरान मारवाड़ी समाज के सामाजिक एवं सेवा कार्यों की सराहना की तथा समाज के योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने गंगटोक में होलिका दहन तथा पहाड़ी माता मंदिर एवं खाटू श्याम मंदिर के निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराने पर सहमति व्यक्त करते हुए भविष्य में भी सेवा कार्य जारी रखने का आग्रह किया।

समारोह में समाज द्वारा चयनित विभिन्न समाजसेवियों को 'समाज गौरव' सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें दुशाला एवं स्मृति-चिह्न प्रदान किए गए तथा उनके सामाजिक योगदान का परिचय प्रस्तुत किया गया।

दोपहर में माननीय राज्यपाल श्री ओ. पी. माथुर भी समारोह में शामिल हुए। उन्होंने समाज की १३५ वर्षों की सेवा-यात्रा की सराहना करते हुए संयुक्त परिवार व्यवस्था, भारतीय संस्कारों एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के समाज सुधार से जुड़े विषयों को कार्यक्षेत्र में लेकर सकारात्मक सामाजिक पहल करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत कुमार सुराणा की उपस्थिति में माननीय मुख्यमंत्री श्री प्रेम सिंह तमांग एवं माननीय राज्यपाल श्री ओ. पी. माथुर का दुपट्टा एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर अभिनंदन किया गया।

समारोह में सिक्किम मारवाड़ी समाज की १३५ वर्षों की यात्रा, सेवा एवं विरासत पर आधारित पुस्तक का भी विमोचन किया गया। इसके साथ ही राजस्थान एवं हरियाणा से आए कलाकारों ने लोकनृत्यों की आकर्षक प्रस्तुतियों से भारतीय लोक-संस्कृति की सुंदर झलक प्रस्तुत की।

सुव्यवस्थित आयोजन, विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों की सहभागिता तथा समाज के वरिष्ठजनों, महिलाओं एवं युवाओं की सक्रिय उपस्थिति ने समारोह को व्यापक स्वरूप प्रदान किया। १३५वाँ स्थापना दिवस सिक्किम मारवाड़ी समाज की गौरवशाली विरासत के स्मरण के साथ सेवा, संस्कार, सामाजिक एकता एवं जनकल्याण के संकल्प को और मजबूत करने वाला अविस्मरणीय अवसर बना।

प्रांतीय समाचार : गुजरात

जवानों के साथ मनाया रक्षाबंधन पर्व

२७ अगस्त २०२६ को गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की **तापी उड़ान शाखा** की बहनों द्वारा सूरत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एयरपोर्ट डायरेक्टर, कमांडेंट एवं सीआईएसएफ के जवानों को राखी बांधकर पवित्र **रक्षाबंधन पर्व** मनाया गया।

इस अवसर पर संस्था की बहनों ने जवानों की कलाई पर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक रक्षासूत्र बांधकर उनके प्रति स्नेह, सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की तथा सभी जवानों का मुंह मीठा कराया। बहनों के इस आत्मीय स्नेह से जवानों के चेहरे पर खुशी और उत्साह देखते ही बनता था।

शाखा अध्यक्ष मनीषा कजरिया ने अपने संबोधन में कहा कि देश की सेवा एवं सुरक्षा में निरंतर तत्पर जवानों के साथ त्योहार की खुशियां साझा करना और उनके साथ कुछ आत्मीय पल बिताना संस्था के लिए गर्व की बात है।

इस अवसर पर संस्था की सचिव दिशा लोहिया, कोषाध्यक्ष रश्मि लाठ, उपाध्यक्ष अनीता भालोठिया, नीता भट्टार एवं चांदनी अग्रवाल सहित रितु अग्रवाल, कविता डागा, गुंजन पालीवाल, प्रियंका मस्कारा, रामा ड्रोलिया, अनिमा अग्रवाल, सरिता अग्रवाल, मधु जालान, रुचिता गोयल एवं ज्योति अग्रवाल उपस्थित थीं।

जरूरतमंदों में भोजन वितरण

भादो अमावस्या के पावन अवसर पर गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, सूरत शाखा द्वारा अल्थान स्थित शेल्टर होम, सोहम सर्कल के पास जरूरतमंद एवं असहाय लोगों के लिए भोजन सेवा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, सूरत शाखा के अध्यक्ष श्री सुशील अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री राजा अग्रवाल, सचिव श्री शिवकुमार अग्रवाल, सह-सचिव श्री विमल अग्रवाल, श्री सुनील अग्रवाल, श्री अंकुर अग्रवाल, श्री हितेश पटवारी, श्री योगेश रामसिसरिया एवं श्री सूर्यकांत अग्रवाल की उपस्थिति रही।

नर सेवा नारायण सेवा

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की सूरत शाखा के द्वारा आशीर्वाद एनक्लेव सोसाइटी में निशुल्क **होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर** का आयोजन किया गया जिसमे काफी संख्या में लोगो ने चिकित्सा सेवा का लाभ लिया। साथ ही एक्यूप्रेशर और सु-जोक पद्धति द्वारा उपचार किया गया। मौक़े पर गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन सूरत शाखा के अध्यक्ष श्री सुशील अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री राजा अग्रवाल, सचिव श्री शिवकुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री रमेश मोदी, संयोजक श्री राजेंद्र अग्रवाल, श्री मयंक अग्रवाल सोसाइटी के श्री शिवकुमार अग्रवाल, श्री विष्णु खेतान, श्री अमित खेतान, श्रीमती रीता देवी, श्रीमती स्नेह लता देवी और काफ़ी गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रहीं।

प्रांतीय समाचार : छत्तीसगढ़

शिक्षक दिवस पर शिक्षकों का सम्मान

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वावधान में रायपुर शाखा एवं धरोहर शाखा द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर भारत माता स्कूल, सरस्वती शिशु मंदिर, त्रिमूर्ति मंदिर के पीछे, मठ पुरैना, रायपुर में शिक्षकों के सम्मान में विशेष समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं, छात्र-छात्राओं एवं समाज के गणमान्यजनों की उपस्थिति रही।

समारोह में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया**, छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष **श्री अमर बंसल**, प्रांतीय कोषाध्यक्ष **श्री सुरेश चौधरी**, रायपुर शाखा के पूर्व अध्यक्ष **श्री संजय शर्मा**, कार्यकारिणी सदस्य **श्री नारायण भूषणिया**, **श्री जोगी डागा** एवं **श्री प्रह्लाद चौबे**, स्कूल के संचालक **श्री देवेंद्र अग्रवाल** प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

रायपुर शाखा की ओर से अध्यक्ष श्री आनंद अग्रवाल, सचिव श्री प्रवीण सिंघानिया, कोषाध्यक्ष श्री विवेक अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री नवीन भूषणिया तथा धरोहर शाखा के अध्यक्ष श्री कैलाश छापड़िया, सचिव श्री नितेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री नारायण अग्रवाल, श्री कमल गुप्ता, श्री पुष्परंजन जैन एवं श्री सुधीर अग्रवाल ने कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

'समन्वय' टॉक शो का आयोजन

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वावधान में आयोजित **'समन्वय' टॉक शो** में स्थानीय समाज के साथ आत्मीय संबंध, मारवाड़ी समाज की तीनों प्रमुख प्रतिनिधि संस्थाओं के बीच बेहतर तालमेल तथा परिवार में समन्वय जैसे विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री पवन गोयनका** की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मुख्य वक्ता श्री गोपाल जालान, (गुवाहाटी) एवं श्री ललित अजमेरा, (बिजयनगर) रहे। पैनलिस्ट के रूप में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष श्री राज चौधरी तथा अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की प्रांतीय अध्यक्ष श्रीमती शालिनी बगड़िया ने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन श्री विमल अग्रवाल ने किया।

टॉक शो का केंद्रीय विषय था–'**समन्वय :** स्थानीय समाज के साथ, हमारे घटकों के बीच, हमारे परिवार में।' तीनों प्रतिनिधि संस्थाओं के प्रांतीय पदाधिकारियों ने आपसी समन्वय और सामूहिक भूमिका पर विचार साझा किए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन गोयनका ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे सार्थक 'ब्रेनस्टॉर्मिंग सेशन' बताया। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी समाज जहाँ भी गया, मेहनत और उद्यमशीलता से व्यापार स्थापित करने के साथ स्थानीय समाज से आत्मीय संबंध बनाता रहा है। उन्होंने रिश्तों की कद्र, सादगी और सामाजिक जुड़ाव को प्राथमिकता देने पर बल देते हुए कहा–'मारवाड़ी होना कोई मजाक नहीं है, मारवाड़ी इज ए वे ऑफ लाइफ।'

शिवसागर की घटना पर विचार

LED स्क्रीन पर शिवसागर की घटना से संबंधित तस्वीरें प्रदर्शित कर पैनलिस्टों से विचार लिए गए।

श्री कैलाश काबरा ने स्थानीय समाज के बीच जाकर संवाद बढ़ाने तथा नामघरों सहित स्थानीय सांस्कृतिक गतिविधियों में सहभागिता की आवश्यकता बताई। उन्होंने बिहू, होली और दीपावली जैसे पर्वों को मिल-जुलकर मनाने तथा स्थानीय व्यंजनों एवं संस्कृति को अपनाने पर जोर दिया।

श्री राज चौधरी ने कहा कि ऐसी घटनाओं को समय रहते समझकर संवाद स्थापित करना आवश्यक है।

श्रीमती शालिनी बगड़िया ने महिलाओं की सामाजिक एवं आर्थिक भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में सक्रिय योगदान दे रही हैं। उन्होंने सेवा कार्यों, स्थानीय संस्कृति और भाषा को सामाजिक समन्वय का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

मुख्य वक्ता श्री गोपाल जालान ने असमिया भाषा में वक्तव्य देकर विशेष आत्मीयता का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि स्थानीय समाज के साथ भाषा में संवाद, व्यवसाय एवं सामाजिक संस्थाओं के स्तर पर समन्वय तथा सेवा कार्यों का व्यापक प्रचार आवश्यक है। उन्होंने शिवसागर की घटना को आत्ममंथन का अवसर बताते हुए असमिया समाज के साथ और अधिक जुड़ने की आवश्यकता पर बल दिया।

श्री ललित अजमेरा, बिजयनगर ने कहा कि केवल प्रतीकात्मक रूप से स्थानीय संस्कृति अपनाना पर्याप्त नहीं है। वास्तविक समन्वय स्थानीय भाषा, संस्कृति और समाज को समझने तथा व्यवहार में अपनाने से आता है।

'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के विशिष्ट संरक्षक सदस्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता श्री रमेश गोयनका को टैक्स बार एसोसिएशन द्वारा **'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड'** से सम्मानित किए जाने पर पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा एवं प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री विनोद कुमार लोहिया ने उनके निवास पर जाकर उनका सम्मान एवं अभिनंदन किया। टैक्स बार एसोसिएशन, गुवाहाटी द्वारा आयोजित वार्षिक साधारण सभा में श्री रमेश गोयनका को कराधान कानून के क्षेत्र में उनके दशकों लंबे उत्कृष्ट योगदान, विधिक सेवाओं तथा युवा अधिवक्ताओं के मार्गदर्शन के लिए इस प्रतिष्ठित सम्मान से सम्मानित किया गया।

श्री रमेश गोयनका, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री पवन जी गोयनका** के **ज्येष्ठ भ्राता** हैं।

पंचम प्रांतीय कार्यकारिणी सभा संपन्न

पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की **पंचम प्रांतीय कार्यकारिणी सभा** ५ एवं ६ सितंबर को ४७ वर्षों के बाद मेघालय की राजधानी शिलांग में **'मेघधारा में मारवाड़'** की भावपूर्ण थीम के साथ उत्साह, आत्मीयता एवं संगठनात्मक ऊर्जा के वातावरण में संपन्न हुई। कार्यक्रम में पूर्वोत्तर के विभिन्न क्षेत्रों से १५० से अधिक प्रतिनिधियों एवं अतिथियों ने भाग लिया।

५ सितंबर को प्रांतीय प्रशिक्षण कार्यशाला 'सारथी' आयोजित हुई। शाखा सचिव श्री कमल अग्रवाल ने स्वागत किया। मंडलीय उपाध्यक्ष श्री सुशील गोयल ने प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रांतीय संयोजक श्री विमल अग्रवाल ने सम्मेलन के इतिहास, संविधान, सदस्यता एवं संगठनात्मक व्यवस्था की जानकारी दी, जबकि प्रांतीय महामंत्री श्री रमेश कुमार चांडक ने मीटिंग मैनेजमेंट एवं प्रोटोकॉल का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

सायंकाल आयोजित राजस्थानी सांस्कृतिक संध्या में शिलांग की बालिकाओं एवं महिलाओं ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। श्रीमती प्रतिभा शर्मा ने संचालन किया, श्रीमती निर्मला कमल अलमपुरिया ने राजस्थानी लोकगीत प्रस्तुत किया तथा गुवाहाटी महिला शाखा की अध्यक्ष श्रीमती संतोष शर्मा ने राजस्थानी गीतों से वातावरण को संगीतमय बना दिया। गुवाहाटी शाखा अध्यक्ष श्री शंकर बिड़ला ने साथियों के साथ चंग की प्रस्तुति दी। प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत सुराणा सहित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

६ सितंबर को उद्घाटन समारोह में शिलांग शाखा अध्यक्ष श्री अनिल बजाज एवं स्वागताध्यक्ष श्री महेश चाचन ने स्वागत किया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत सुराणा, प्रांतीय सलाहकारों, पूर्व प्रांतीय पदाधिकारियों एवं समाजसेवियों का अभिनंदन किया गया। श्रीमती संतोष शर्मा, श्री विनोद कुमार अग्रवाल, श्री विमल अग्रवाल तथा छापरमुख शाखा की पिता-पुत्र जोड़ी श्री सीताराम अग्रवाल एवं श्री विकास अग्रवाल का विशेष सम्मान किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा ने संगठन की एकता, सामूहिक उत्तरदायित्व एवं सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। निवर्तमान अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश खंडेलवाल एवं श्री बसंत सुराणा ने भी अपने विचार रखे।

ऊपरी असम की बाढ़ के दौरान सेवा कार्यों के लिए टियोक शाखा अध्यक्ष श्री रामोतार बिहानी, सचिव श्री बीजूतनुवाल; आमगुड़ी शाखा अध्यक्ष श्री दिनेश जैन; सिमलगुड़ी अध्यक्ष श्री पवन कुमार मस्करा, कोषाध्यक्ष श्री दीपक हरलालका; नाजिरा-गैलेक्सी शाखा अध्यक्ष श्री अजय लाहोटी, श्री नंद किशोर करनानी, श्री घनश्याम शर्मा, श्री राजेश गोयनका; सोनारी शाखा अध्यक्ष श्री शंकर लाल जी शर्मा, प्रांतीय सलाहकार श्री अनूप सिंह राजपुरोहित, श्री संजय सराफ तथा शिवसागर शाखा अध्यक्ष श्री प्रदीप खेमका, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री रूपचंद करनानी, श्री सुरेश बरलिया एवं श्रीमती पायल अग्रवाल का अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम में 'सम्मेलन समाचार' के डिजिटल अंक का विमोचन संपादक श्री विनोद कुमार लोहिया ने प्रांतीय सलाहकार श्री सांवरमल खेतावत के कर-कमलों से कराया।

प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा की अध्यक्षता में पंचम प्रांतीय कार्यसमिति की बैठक हुई। इसमें महामंत्री प्रतिवेदन, संगठन विस्तार, आय-व्यय, कोर कमेटी, विभिन्न मंडलों की प्रगति तथा नवगठित धिंग-मोरियाबाड़ी एवं लालुक-दलुआहट-हारमोती शाखाओं को स्थापना प्रमाण-पत्र देने सहित अनेक विषयों पर चर्चा हुई। श्री छत्तर सिंह गिरिया, डॉ. महेश जैन, श्री विनोद कुमार लोहिया, श्री राजेन्द्र हरलालका एवं श्री मूलचंद बैद ने संवाद में भाग लिया। विभिन्न मंडलों की ओर से श्री पवन मोर, श्री ओमप्रकाश पचार, श्री संजय गाड़ोदिया, श्री विकास अग्रवाल, श्री सशील गोयल, श्री निरंजन सिकरिया, श्री राजीव अग्रवाल, श्रीमती स्मिता धीरासरिया, श्री प्रकाश कुमार बैद, श्री पवन जैन, श्री किशनलाल नाहटा एवं श्री संजय मोर ने प्रगति विवरण प्रस्तुत किए।

प्रांतीय संयोजक श्री विमल अग्रवाल, श्रीमती संतोष शर्मा एवं सीए अशोक अग्रवाल ने प्रशिक्षण, नारी सशक्तीकरण एवं विवाह प्रकोष्ठ की रिपोर्ट प्रस्तुत की। श्री मनोज जैन काला ने महिला छात्रावास निर्माण एवं 'भाग्यशाली दानपत्र योजना' की जानकारी दी। श्री पवन कुमार मोर को प्रांतीय संयुक्त मंत्री का अतिरिक्त कार्यभार, श्रीमती डोली अग्रवाल को प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य तथा श्री बीजूतनुवाल को प्रांतीय संयोजक-सोशल मीडिया का अतिरिक्त दायित्व दिया गया।

वरिष्ठ समाजसेवी एवं पूर्व प्रांतीय महामंत्री श्री प्रमोद तिवाड़ी ने संगठन में एकता एवं समन्वय, महिला सशक्तीकरण, युवाओं को संगठन से जोड़ने, सामाजिक योगदान के दस्तावेजीकरण तथा संस्कारशाला को आधुनिक एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जोड़ने पर मार्गदर्शन दिया।

महिला छात्रावास के लिए श्री किशनलाल नाहटा, श्री संजय मोर एवं श्री अनोप चंद सेठिया ने ₹१-१ लाख का सहयोग दिया। जनवरी-फरवरी २०२७ में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक गुवाहाटी में तथा आगामी प्रांतीय कार्यकारिणी सभा माजुली में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से प्राप्त आपदा राहत राशि में से ₹३ लाख असम मुख्यमंत्री राहत कोष में देने का भी निर्णय हुआ।

आयोजन की सफलता में कार्यक्रम संयोजक श्री महेश चाचन एवं सह संयोजक श्री अजय अग्रवाल के नेतृत्व में श्री अमन पासारी, श्री सूरज जसरासरिया, श्री सुनील सिंघानिया, श्री विकास चोखानी, श्री पीयूष अजमेरा, श्री संजय जसरासरिया, श्रीमती नीलम बजाज, श्रीमती राधा पासारी, श्रीमती स्वाति अजमेरा, श्रीमती शारदा चोखानी, श्रीमती श्रीचा अग्रवाल, श्रीमती मनीषा झनझुनवाला, श्रीमती सरिता अग्रवाल, श्रीमती पूजा भूत, श्रीमती स्निग्धा सिंघानिया एवं श्रीमती जूली जैन सहित अनेक सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

शिलांग शाखा सचिव श्री कमल अग्रवाल एवं मंडलीय सहायक मंत्री श्री निरंजन सिकरिया ने आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ सभा का समापन हुआ।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

मथुरा की उस रात चारों ओर अंधकार था। कारागार में देवकी और वसुदेव बंदी थे। कंस के अत्याचार से पूरा नगर भयभीत था। तभी भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी की मध्यरात्रि में कारागार के भीतर एक दिव्य बालक का जन्म हुआ–श्रीकृष्ण का।

यह केवल एक बालक का जन्म नहीं था, बल्कि अंधकार के बीच आशा और धर्म के प्रकाश का आगमन था। कंस को आकाशवाणी हो चुकी थी कि देवकी का आठवाँ पुत्र उसके अंत का कारण बनेगा। इसलिए उसने देवकी की संतानों का वध कर दिया। लेकिन कृष्ण के जन्म के साथ परिस्थितियाँ बदल गईं। वसुदेव ने बालकृष्ण को टोकरी में रखा और उन्हें लेकर गोकुल की ओर चल पड़े। बाहर घनघोर वर्षा थी, यमुना उफान पर थी, लेकिन संकल्प अडिग था। कथा के अनुसार, जैसे ही कृष्ण के चरण यमुना के जल को स्पर्श करते हैं, जल शांत होने लगता है।

वासुदेव बालकृष्ण को नंद-यशोदा के घर पहुँचा देते हैं। राजमहल में जन्मा बालक अब गोकुल की गलियों में पलने लगता है। गायों, ग्वाल-बालों, यशोदा मैया के वात्सल्य और प्रकृति के बीच कृष्ण का बचपन बीतता है।

यहीं से उनकी बाल लीलाएँ शुरू होती हैं–माखन चोरी, ग्वाल-बालों के साथ खेलना और अपनी मधुर मुरली से सबको मोह लेना। माखन चोरी की कथा केवल बाल शरारत नहीं मानी जाती; यह उस प्रेम का प्रतीक है जिसमें कृष्ण भक्तों के निर्मल हृदय को अपना बना लेते हैं।

यमुना में **कालिया नाग** के विष से जल दूषित हो गया था। कृष्ण ने कालिया का दमन किया और उसे वहाँ से जाने का आदेश दिया। इस प्रसंग की एक प्रतीकात्मक व्याख्या यह भी है कि समाज और प्रकृति को विषाक्त करने वाली शक्तियों का सामना आवश्यक है। कृष्ण विनाश के बजाय नियंत्रण और परिवर्तन का मार्ग अपनाते हैं।यह सीख आज भी महत्वपूर्ण है-बुराई से समझौता नहीं, लेकिन समाधान में विवेक आवश्यक है।

प्रेम का आध्यात्मिक रूप **श्रीकृष्ण और राधा** का संबंध भारतीय भक्ति परंपरा में प्रेम का सर्वोच्च प्रतीक माना जाता है। राधा-कृष्ण का प्रेम सांसारिक अपेक्षाओं से ऊपर उठकर समर्पण, विश्वास और आत्मिक जुड़ाव का प्रतीक बन गया। राधा का प्रेम यह बताता है कि सच्चे प्रेम में अधिकार से अधिक समर्पण और विश्वास होता है। इसीलिए राधा-कृष्ण की जोड़ी भारतीय कला, संगीत, साहित्य और भक्ति परंपरा में आज भी अमर है।

फिर आता है **गोवर्धन का प्रसंग**। कृष्ण ने लोगों को प्रकृति, गौवंश और गोवर्धन के प्रति कृतज्ञ होना सिखाया। जब भारी वर्षा से ब्रज संकट में आया, तो उन्होंने गोवर्धन पर्वत उठाकर सभी की रक्षा की। आज यह कथा हमें प्रकृति

के संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का संदेश देती है। समय बीता। कृष्ण ने कंस के अत्याचार का अंत किया और अन्याय के विरुद्ध धर्म की स्थापना का संदेश दिया। आगे चलकर वे द्वारकाधीश बने, लेकिन उनके जीवन में मित्रता और अपनत्व का स्थान कभी कम नहीं हुआ। सुदामा से उनकी मित्रता आज भी बताती है कि सच्चे रिश्ते धन-दौलत नहीं, हृदय देखते हैं।

श्रीकृष्ण का एक नाम **'रणछोड़'** भी है। पहली दृष्टि में यह नाम विचित्र लगता है, लेकिन इसके पीछे रणनीतिक विवेक का संदेश है। जरासंध के बार-बार आक्रमणों और शक्तिशाली शत्रुओं की परिस्थितियों में कृष्ण ने मथुरा छोड़कर द्वारका को सुरक्षित केंद्र बनाया। यह पलायन नहीं, बल्कि व्यापक हित को ध्यान में रखकर लिया गया रणनीतिक निर्णय माना जाता है। कभी-कभी पीछे हटना हार नहीं होता; भविष्य की बड़ी जीत के लिए सही समय और स्थान चुनना भी बुद्धिमानी है।

और फिर **कुरुक्षेत्र** आया।

अर्जुन युद्धभूमि में अपने प्रियजनों को सामने देखकर विचलित हो गए। तब श्रीकृष्ण ने उनके सारथी बनकर उन्हें जीवन का महान संदेश दिया–कर्तव्य से पीछे मत हटो, कर्म करते रहो और परिणाम की चिंता में अपने धर्म को मत भूलो।

यही कृष्ण की सबसे बड़ी विशेषता है। वे एक ओर मुरलीधर हैं, दूसरी ओर कुशल रणनीतिकार; वे प्रेम सिखाते हैं तो अन्याय के विरुद्ध खड़ा होना भी; वे मित्र हैं तो मार्गदर्शक भी।

आज जन्माष्टमी पर हम मंदिर सजाते हैं, झाँकियाँ निकालते हैं और बालगोपाल का स्वागत करते हैं। लेकिन इस पर्व का वास्तविक अर्थ तब पूरा होगा, जब कृष्ण के जीवन से हम कुछ सीखकर अपने जीवन में उतारें।

अंधकार में आशा, कठिनाई में साहस, संबंधों में प्रेम, निर्णयों में विवेक और जीवन में कर्म–यही श्रीकृष्ण का संदेश है। शायद इसीलिए जन्माष्टमी केवल कृष्ण के जन्म का उत्सव नहीं, बल्कि अपने भीतर के अंधकार को मिटाकर प्रकाश जगाने की प्रेरणा है।

गणेशजी के जन्म और उनसे जुड़ी अनकही बातें

भारत में **गणेश चतुर्थी** केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि श्रद्धा, संस्कृति और सामाजिक एकता का उत्सव है। भगवान गणेश को प्रथम पूज्य, विघ्नहर्ता और बुद्धि-विवेक के देवता माना जाता है। किसी भी शुभ कार्य से पहले गणेशजी की पूजा करने की परंपरा इसी विश्वास से जुड़ी है कि उनके स्मरण से कार्य निर्विघ्न और मंगलमय होता है।

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार माता पार्वती ने स्नान करने से पहले अपने शरीर पर लगे उबटन से एक बालक की आकृति बनाई और उसमें प्राण डाल दिए। उन्होंने उस बालक को अपना पुत्र मानकर द्वार पर पहरा देने का आदेश दिया और कहा कि उनकी अनुमति के बिना किसी को अंदर न आने दिया जाए।

उसी समय भगवान शिव वहां पहुंचे। बालक गणेश ने माता की आज्ञा का पालन करते हुए भगवान शिव को भी अंदर जाने से रोक दिया। इससे विवाद बढ़ गया और क्रोधित होकर भगवान शिव ने गणेशजी का मस्तक अलग कर दिया।

माता पार्वती को जब यह ज्ञात हुआ तो वे अत्यंत क्रोधित हुईं। उन्होंने अपने पुत्र को पुनर्जीवित करने की मांग की। भगवान शिव ने अपने गणों को उत्तर दिशा में सबसे पहले मिलने वाले जीव का सिर लाने का आदेश दिया। गणों को हाथी का सिर मिला। भगवान शिव ने उस मस्तक को गणेशजी के शरीर पर स्थापित कर उन्हें पुनर्जीवन प्रदान किया।

भगवान शिव ने गणेशजी को आशीर्वाद दिया कि किसी भी शुभ कार्य से पहले सबसे पहले उन्हीं की पूजा होगी। इसी कारण वे 'प्रथम पूज्य' कहलाए। गणेशजी का हाथी का मस्तक केवल धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि गहरा जीवन-संदेश भी देता है। हाथी अपनी बुद्धिमत्ता, धैर्य और शक्ति के लिए जाना जाता है। गणेशजी का स्वरूप हमें सिखाता है कि जीवन में शक्ति के साथ विवेक और धैर्य भी आवश्यक है। उनके बड़े कान हमें अधिक सुनने और कम बोलने की सीख देते हैं। छोटी आंखें एकाग्रता का प्रतीक हैं, जबकि बड़ा मस्तक व्यापक सोच रखने का संदेश देता है।

भगवान गणेश का वाहन मूषक है। मूषक चंचल और अत्यंत सक्रिय होता है। इसे मनुष्य की इच्छाओं और चंचल मन का प्रतीक भी माना जाता है। गणेशजी का मूषक पर विराजमान होना इस बात का संकेत देता है कि बुद्धि और विवेक के द्वारा मन की चंचलता तथा इच्छाओं पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

गणेशजी को **'एकदंत'** भी कहा जाता है। उनके एक दाँत के पीछे अनेक पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। एक प्रसिद्ध कथा के अनुसार, महर्षि वेदव्यास ने महाभारत का वर्णन किया और गणेशजी ने उसे लिखने का कार्य किया। लेखन कार्य लगातार चलता रहे, इसलिए गणेशजी ने अपना एक दाँत तोड़कर उसे लेखनी के रूप में प्रयोग किया।

यह प्रसंग त्याग, समर्पण और ज्ञान के प्रति निष्ठा का प्रतीक माना जाता है।

महाभारत के लेखन से जुड़ी कथा भी अत्यंत रोचक है। मान्यता है कि वेदव्यास जी ने गणेशजी से महाभारत लिखने का अनुरोध किया। गणेशजी ने शर्त रखी कि वे बिना रुके लगातार लिखेंगे। वेदव्यास जी ने भी शर्त रखी कि गणेशजी प्रत्येक श्लोक का अर्थ समझकर ही उसे लिखेंगे। इस प्रकार वेदव्यास जी को कठिन श्लोकों के माध्यम से सोचने का समय मिलता रहा और महाभारत का लेखन पूरा हुआ। यह कथा ज्ञान, एकाग्रता और बुद्धि के महत्व को दर्शाती है।

गणेशजी को मोदक अत्यंत प्रिय माना जाता है। मोदक को ज्ञान और आनंद का प्रतीक भी माना जाता है। बाहर से साधारण दिखाई देने वाला मोदक भीतर से मीठा होता है–ठीक उसी तरह सच्चे ज्ञान और अच्छे कर्मों का आनंद भीतर से मिलता है।

गणेश चतुर्थी हमें केवल पूजा करने की प्रेरणा नहीं देती, बल्कि जीवन में बुद्धि, विवेक, धैर्य, अनुशासन, विनम्रता और सकारात्मक सोच अपनाने का संदेश देती है।

आज गणेशोत्सव सामाजिक एकता और पर्यावरण जागरूकता का भी माध्यम बन सकता है। मिट्टी की गणेश प्रतिमा स्थापित करना और प्राकृतिक सामग्री से पूजा करना हमारी आस्था के साथ प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी को भी दर्शाता है।

गणेशजी के स्वरूप में छिपे जीवन-संदेश

बड़ा मस्तक – बड़ी और सकारात्मक सोच रखें।

बड़े कान – अधिक सुनें और समझें।

छोटी आंखें – लक्ष्य पर एकाग्र रहें।

एकदंत – आवश्यक बात को ग्रहण करें, अनावश्यक को छोड़ दें।

बड़ा उदर – परिस्थितियों को धैर्यपूर्वक स्वीकार करें।

मूषक वाहन – इच्छाओं और चंचल मन पर विवेक का नियंत्रण रखें।

मोदक – ज्ञान और सद्कर्मों से मिलने वाले आनंद को अपनाएं।

गणेश चतुर्थी का वास्तविक उत्सव तभी सार्थक है, जब हम गणेशजी की प्रतिमा के साथ उनके गुणों को भी अपने जीवन में स्थापित करें।

गणपति बप्पा मोरया!

मंगल मूर्ति मोरया!

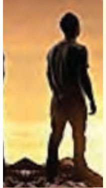

हरतालिका तीज

हिमालय की ऊंची चोटियों के बीच एक सुंदर राजमहल था। वहां हिमवान की पुत्री पार्वती रहती थीं। बचपन से ही पार्वती के मन में भगवान शिव के प्रति गहरी श्रद्धा थी। उनका हृदय शिव को ही अपना जीवनसाथी मान चुका था।

लेकिन पार्वती के पिता हिमवान अपनी पुत्री के लिए एक राजकुमार से विवाह करना चाहते थे।

एक दिन जब विवाह की चर्चा पार्वती के सामने हुई तो वे शांत रहीं, लेकिन मन ही मन उन्होंने निश्चय कर लिया–"मैंने भगवान शिव को अपना पति माना है। जीवन में चाहे कितनी भी कठिनाइयां आएं, मैं अपने संकल्प से पीछे नहीं हटूंगी।" पार्वती की एक सखी उनके मन की बात समझती थी। उसने पूछा– "सखी! तुम इतनी चिंतित क्यों हो?"

पार्वती ने कहा–"मैं भगवान शिव को पति रूप में पाना चाहती हूं, लेकिन मेरे पिता मेरे लिए किसी और से विवाह करना चाहते हैं। मैं क्या करूं?"

सखी ने उनका हाथ थामते हुए कहा–"तुम्हें अपने मन की बात पर विश्वास है तो भगवान भी तुम्हारी परीक्षा अवश्य लेंगे। चलो, मेरे साथ वन में चलो। वहां तुम बिना किसी बाधा के शिवजी की आराधना कर सकोगी।"

सखी पार्वती को घने वन में ले गई। वहां न महल था, न राजसी सुख-सुविधाएं। चारों ओर पेड़-पौधे, पक्षियों की आवाजें और प्रकृति की शांति थी। पार्वती ने वहीं मिट्टी से भगवान शिव की प्रतिमा बनाई और उनकी पूजा शुरू कर दी। उन्होंने अन्न का त्याग किया। फिर फल का भी त्याग कर दिया। अंततः वे केवल भगवान शिव के ध्यान में लीन रहने लगीं। उनकी सखी बार-बार कहती–"पार्वती, इतना कठोर व्रत मत करो। तुम्हारा शरीर कमजोर हो रहा है।"

पार्वती मुस्कुराकर कहतीं–"जब मन में विश्वास हो, तो कठिन रास्ता भी आसान हो जाता है।"

एक दिन भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया थी। पार्वती ने पूरे दिन उपवास रखा और रातभर भगवान शिव का ध्यान करती रहीं। उनकी तपस्या से तीनों लोक प्रभावित हुए। अचानक वन में एक दिव्य प्रकाश फैल गया। पार्वती ने आंखें खोलीं। उनके सामने स्वयं भगवान शिव खड़े थे।

शिवजी ने कहा–"देवी, तुम्हारी तपस्या, तुम्हारी श्रद्धा और तुम्हारे अटूट संकल्प से मैं प्रसन्न हूं। मांगो, तुम्हें क्या वर चाहिए?" पार्वती ने हाथ जोड़कर कहा–"प्रभु! मैंने आपको ही अपने जीवनसाथी के रूप में स्वीकार किया है। यदि मेरी तपस्या सच्ची है तो मुझे आपको पति रूप में पाने का वरदान दीजिए।"

भगवान शिव मुस्कुराए और बोले– "तथास्तु! तुम्हारा संकल्प पूर्ण होगा।" इसके बाद भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ और उनका मिलन सनातन परंपरा में प्रेम, तपस्या और आदर्श दांपत्य का प्रतीक बन गया।

इसी कथा की स्मृति में **हरतालिका तीज** का व्रत रखा जाता है।

अनंत चतुर्दशी

बहुत समय पहले एक ब्राह्मण थे, जिनका नाम सुमंत था। उनकी पत्नी का नाम दीक्षा था। उनकी एक पुत्री थी--सुशीला।

सुशीला जब बड़ी हुईं तो उनका विवाह कौंडिन्य ऋषि से हुआ। विवाह के बाद सुशीला अपने पति के साथ उनके आश्रम की ओर जा रही थीं। रास्ते में उन्होंने कुछ महिलाओं को एक विशेष पूजा करते देखा।

सुशीला ने उनसे पूछा– "बहनों, आप किसकी पूजा कर रही हैं और हाथ में यह धागा क्यों बांध रही हैं?"

महिलाओं ने बताया– "आज अनंत चतुर्दशी है। हम भगवान विष्णु के अनंत स्वरूप की पूजा कर रहे हैं। पूजा के बाद हाथ में अनंत सूत्र बांधने से भगवान की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।"

सुशीला ने श्रद्धापूर्वक पूजा में भाग लिया। उन्होंने भगवान विष्णु का स्मरण किया और लाल रंग के चौदह गांठों वाले अनंत सूत्र को अपने हाथ में बांध लिया।

कहा जाता है कि अनंत भगवान की कृपा से सुशीला और कौंडिन्य के जीवन में सुख-समृद्धि आने लगी। उनका घर धन-धान्य से भर गया और जीवन में खुशियां लौट आईं।

लेकिन कुछ समय बाद कौंडिन्य ऋषि ने सुशीला के हाथ में बंधा हुआ सूत्र देखा।

उन्होंने पूछा– "यह धागा तुम्हारे हाथ में क्यों बंधा है?"

सुशीला ने उन्हें अनंत चतुर्दशी की पूजा और भगवान विष्णु की महिमा के बारे में बताया।

कौंडिन्य को विश्वास नहीं हुआ। उन्होंने इसे केवल एक साधारण धागा समझा और क्रोध में आकर वह सूत्र उतारकर अग्नि में फेंक दिया। सुशीला ने दुखी होकर उस सूत्र को बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक कौंडिन्य के व्यवहार का परिणाम सामने आने लगा।

सुख-समृद्धि चली गई। धीरे-धीरे उनके घर की संपत्ति नष्ट होने लगी। धन-धान्य कम हो गया और परिवार अनेक परेशानियों से घिर गया। कौंडिन्य को अपनी भूल का एहसास हुआ।

उन्होंने सोचा– "शायद मैंने भगवान के प्रति श्रद्धा का अपमान करके बहुत बड़ी भूल की है।" वे भगवान अनंत की खोज में निकल पड़े। रास्ते में उन्होंने अनेक विचित्र दृश्य देखे, लेकिन उन्हें भगवान के दर्शन नहीं हुए। अंततः उन्होंने कठोर तपस्या और पश्चाताप किया।

भगवान विष्णु उनके सामने प्रकट हुए और बोले–

"कौंडिन्य, तुम्हारा अहंकार ही तुम्हारे दुःख का कारण बना। श्रद्धा का उपहास नहीं करना चाहिए। सच्चे मन से मेरी आराधना करो और अनंत व्रत का पालन करो।"

कौंडिन्य ने भगवान से क्षमा मांगी और **अनंत व्रत** करने का संकल्प लिया। इसके बाद उनके जीवन में फिर सुख, शांति और समृद्धि लौट आई।

GAMCO
LET'S GROW
(Golden Goenka Group)

BUILDING A UNIQUE PORTFOLIO OF ASSETS

Creating sustainable value for all stakeholders

Multi-Asset Investments	Capital Market Investments	Real Estate
Warehousuing	Structured Finaring & Secured Lending	Investments in Emerging Companies

At Gamco, our vision is to stay successful through strategic multi-asset investments and sustainable value creation.
Our distinctive asset curation strategy makes us unique among listed companies.

GAMCO LIMITED

25A S.P. Mukherjee Road, Kolkata-700025
Phone: 03324750073
Email: gamcoltd@gamco.co.in
Website: www.gamco.co.in

तृतीय कार्यकारिणी बैठक का आयोजन

मारवाड़ी सम्मेलन, **गुवाहाटी मेट्रो शाखा** की तृतीय कार्यकारिणी बैठक होटल ए.पी. होम्स, गुवाहाटी में आयोजित हुई। बैठक में आगामी गतिविधियों, सामाजिक प्रकल्पों, संगठन विस्तार एवं विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। सभा का संचालन श्री अमित शर्मा एवं श्री मनोज पोद्दार ने किया। असमिया जनजातीय संगीत की प्रस्तुति के साथ बैठक का शुभारंभ हुआ।

शाखाध्यक्ष श्री अमित कुमार कंसल ने स्वागत एवं अध्यक्षीय संबोधन दिया। श्री अमित शर्मा ने पिछली बैठक की कार्यवाही एवं सचिवीय प्रतिवेदन तथा कोषाध्यक्ष श्री तुषार मोर ने आय-व्यय एवं वित्तीय विवरण प्रस्तुत किया, जिसे सभा ने सर्वसम्मति से अनुमोदित एवं पारित किया।

बैठक में आगामी कार्यक्रमों, विशेषकर 'गोल्डन स्माइल' को अधिक प्रभावी बनाने, ५ एवं ६ सितंबर को शिलांग में आयोजित प्रांतीय सभा की तैयारियों तथा दीपावली कार्यक्रम पर विचार-विमर्श हुआ।

इस अवसर पर नए सदस्यों का शपथ ग्रहण प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री गौतम गोयनका ने कराया। शाखा में पहली बार महिला सदस्यों को भी औपचारिक रूप से संगठन से जोड़कर उनका शपथ ग्रहण कराया गया। श्री पराग लोहिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया। राष्ट्रगान के साथ शाखाध्यक्ष श्री अमित कुमार कंसल ने बैठक के समापन की घोषणा की।

बैठक संपन्न

दिनांक ३० अगस्त २०२६ को मिलेनियम सिटी में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की **विश्वनाथ चारियली शाखा** की एक महत्वपूर्ण सभा आयोजित की गई। सभा में मंडलीय उपाध्यक्ष श्री नीलेश जी अग्रवाल एवं मंडलीय सहायक मंत्री श्री राजीव जी जैन की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बैठक में मेडिकल कैंप के आयोजन, समाज सेवा एवं समाज उत्थान से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा एवं विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित सदस्यों ने अपने बहुमूल्य सुझाव एवं विचार साझा किए तथा आगामी सेवा कार्यों को और अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाने पर सहमति व्यक्त की।

कार्यकारिणी बैठक एवं सम्मान समारोह आयोजित

मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी महिला शाखा की **कार्यकारिणी सभा** एवं **सम्मान समारोह** उत्साहपूर्वक आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ शाखा अध्यक्ष श्रीमती संतोष शर्मा ने किया। उन्होंने **'तेजस्विता'** प्रथम महिला अधिवेशन की सफलता पर कार्यकारिणी एवं सहयोगी सदस्यों को बधाई देते हुए आभार व्यक्त किया।

सभा में अधिवेशन के आय-व्यय एवं लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया तथा आगामी कार्यक्रमों–२६ सितंबर को डांडिया, १३ अक्टूबर को ५१ कन्या पूजन एवं २४ अक्टूबर को दिवाली मेला--की रूपरेखा पर चर्चा हुई। 'तेजस्विता' की सफलता में विशेष योगदान देने वाले सदस्यों को श्रीमती संतोष शर्मा ने मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। वहीं कार्यकारिणी सदस्यों एवं शाखा सलाहकारों ने भी श्रीमती संतोष शर्मा को सम्मानित किया।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर **'लड्डू गोपाल सजाओ'** कार्यक्रम भी आयोजित हुआ। सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। श्रीमती प्रज्ञा माया शर्मा एवं श्रीमती सिया शर्मा की प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ सलाहकार श्रीमती सरोज मित्तल, श्रीमती सरला काबरा, श्रीमती मंजू पाटनी एवं श्रीमती शारदा केडिया, शाखा मंत्री श्रीमती मंजू भंसाली, कोषाध्यक्ष श्रीमती शांति कुंडलिया, उपाध्यक्ष श्रीमती रश्मि जैन एवं श्रीमती रेखा गोयल सहित संपूर्ण कार्यकारिणी ने सक्रिय सहभागिता की।

तीसरी अमृतधारा का शुभारंभ

मारवाड़ी सम्मेलन, **डिब्रूगढ़ शाखा** द्वारा डिब्रूगढ़ शहर के अमलापट्टी नामघर परिसर में संस्था की तीसरी **अमृतधारा (प्याऊ)** का शुभारंभ किया गया। यह अमृतधारा नामरूप निवासी श्री बाबूलाल जैन (पांड्या) के सौजन्य से स्थापित की गई। उद्घाटन डिब्रूगढ़ नगर निगम के मेयर डॉ. सैकत पात्र ने फीता काटकर किया।

कार्यक्रम में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ. महेश कुमार जैन, मंडल 'ए' के मंडलीय उपाध्यक्ष श्री राजकुमार अगरवाला, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री संदीप अग्रवाल, डिब्रूगढ़ शाखा अध्यक्ष श्री कैलाश धानुका सहित शाखा के पदाधिकारी, सदस्य एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

शाखा ने इस सेवा कार्य के लिए श्री बाबूलाल जी जैन (पांड्या) के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया।

विभिन्न शाखाओं का हरियाली तीज मिलन

धेमाजी महिला शाखा द्वारा तीज सिंधारा कार्यक्रम उपाध्यक्ष श्रीमती विधि अग्रवाल के निवास पर श्रीमती दीपा मालपानी के सानिध्य में आयोजित हुआ। शुभारंभ श्रीमती रिया अग्रवाल की गणेश वंदना से हुआ। कार्यक्रम में मनोरंजक खेल, नृत्य एवं नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की गईं।

इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती कविता सिंघानिया, कोषाध्यक्ष श्रीमती मंजू बंसल, श्रीमती नीरू अग्रवाल, श्रीमती रूपा गाड़ोदिया, श्रीमती सोनिया गाड़ोदिया, श्रीमती रेनू अग्रवाल, श्रीमती रिया अग्रवाल, श्रीमती सरिता बंसल, श्रीमती मेघा सिंघानिया, श्रीमती लविका सिंघानिया, श्रीमती प्रीति शर्मा, श्रीमती निर्मला गाड़ोदिया, श्रीमती पायल गाड़ोदिया, श्रीमती प्रिया अग्रवाल, श्रीमती कीर्ति अग्रवाल, श्रीमती रेखा खंडेलिया, श्रीमती मोनिका बाईसा, श्रीमती सीमा अग्रवाल, श्रीमती हेमा अग्रवाल एवं श्रीमती सीमा बरेलिया सहित शाखा की सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

नॉर्थ लखीमपुर महिला शाखा द्वारा सावन के अवसर पर आकर्षक स्टॉल लगाए गए। कुर्तियों, साड़ियों, जर्मन सिल्वर आइटम, ज्वेलरी, राखियों एवं लड्डू गोपाल की पोशाकों के साथ स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल भी लगाए गए। महिलाओं ने उत्साहपूर्वक खरीदारी एवं सहभागिता की। आयोजन ने महिलाओं को अपनी कला एवं हुनर प्रदर्शित करने तथा सामाजिक संबंध मजबूत करने का अवसर प्रदान किया।

बंगाईगांव महिला शाखा द्वारा २२ अगस्त २०२६ को होटल जाह्नवी में हरियाली तीज समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर चार नई आजीवन सदस्याओं श्रीमती बीना सेठिया, श्रीमती हेमा अग्रवाल, श्रीमती रेनू जैन एवं श्रीमती रूपा अग्रवाल का स्वागत किया गया। प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री राजेन्द्र हरलालका ने उन्हें शपथ दिलाई। बंगाईगांव शाखा के सचिव श्री राज कुमार कोठारी भी उपस्थित रहे।

मंच संचालन श्रीमती सुमित्रा सेठी, स्वागत श्रीमती मंजू दुगड़ तथा आभार ज्ञापन श्रीमती चंदा भंसाली ने किया। नृत्य, प्रश्नोत्तरी, नाटिका, गीत, सत्तू एवं श्रृंगार प्रतियोगिता सहित विभिन्न कार्यक्रम हुए। गुवाहाटी के तेजस्विता कार्यक्रम में नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित श्रीमती मंजू दुगड़ का शाखा की ओर से विशेष सम्मान किया गया।

सिलापथार महिला शाखा द्वारा २६ अगस्त को हरियाली तीज मिलन समारोह आयोजित किया गया। शुभारंभ पूर्व अध्यक्ष श्रीमती स्वाति मुंधड़ा, श्रीमती प्रिया चांडक तथा वरिष्ठ सदस्याओं श्रीमती चंदा देवी जैन, श्रीमती चंदा देवी तातेड़, श्रीमती शांता देवी तातेड़, श्रीमती चंपा देवी मुंधड़ा एवं श्रीमती सुलोचना झुंझुनवाला ने दीप प्रज्वलित कर किया।

कुमारी प्रज्ञा लोहिया एवं कुमारी मुस्कान तोषनीवाल ने गणेश वंदना तथा कुमारी गौरवी शर्मा ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम, हास्य नाटक, मनोरंजक खेल एवं फूड स्टॉल समारोह के प्रमुख आकर्षण रहे। मंच संचालन श्रीमती मिली जैन ने किया।

'भूपेन हजारिका एंड कोलकाता' डॉक्यूमेंट्री का विमोचन

भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की कालजयी रचनाओं, कलात्मक प्रतिभा तथा कोलकाता से उनके गहरे सांस्कृतिक एवं रचनात्मक संबंधों को रेखांकित करती पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा तैयार वृत्तचित्र **'भूपेन हजारिका और कोलकाता'** का २ सितंबर को गुवाहाटी प्रेस क्लब में औपचारिक लोकार्पण हुआ।

श्री निर्मल दास द्वारा निर्देशित एवं श्री कैलाश काबरा द्वारा निर्मित यह वृत्तचित्र डॉ. हजारिका के कोलकाता से जुड़े जीवन, उनकी कलात्मक यात्रा, महान कलाकारों के साथ सहयोग तथा संगीत के माध्यम से देशभर में स्थापित सांस्कृतिक जुड़ाव को प्रस्तुत करता है।

कार्यक्रम में निर्माता श्री कैलाश काबरा, निर्देशक श्री निर्मल दास, समाजसेवी श्री शंकरलाल गोयनका, डॉ. भूपेन हजारिका की भाभी श्रीमती मनीषा हजारिका, सम्मेलन के सलाहकार श्री भैरू कुमार शर्मा, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री विनोद कुमार लोहिया, प्रांतीय सचिव श्री मनोज काला, प्रांतीय कोषाध्यक्ष श्री दिनेश गुप्ता, मंडल-ई के मंडलीय उपाध्यक्ष श्री सुशील गोयल, मंडलीय सहायक मंत्री श्री निरंजन सिकरिया, कार्यकारिणी सदस्य श्री गौतम गोयनका, पूर्व कार्यकारिणी सदस्य श्री अशोक छाबड़ा, गुवाहाटी शाखा अध्यक्ष श्री शंकर बिड़ला, कामरूप शाखा अध्यक्ष श्री अजीत शर्मा, गुवाहाटी मेट्रो अध्यक्ष श्री अमित कंसल, श्री संदीप चमड़िया तथा व्यतिक्रम ग्रुप के मुख्य संरक्षक डॉ. सौमेन भारतीय उपस्थित रहे।

श्रावण मास में बोलबम सेवा शिविर

श्रावण मास के पावन अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन, **तिनसुकिया शाखा**, माकुम रोड दुर्गा पूजा कमेटी एवं सार्वजनिक काली मंदिर के संयुक्त तत्वावधान में माकुम रोड टर्निंग, तिनसुकिया में **बोलबम सेवा शिविर** आयोजित किया गया।

कावड़ियों एवं बोलबम श्रद्धालुओं के लिए चाय, शरबत, शुद्ध पेयजल, भोजन एवं प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम संयोजक श्री दीपक बजाज एवं श्री आनंद बंसल के नेतृत्व में शिविर का संचालन हुआ।

इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन, तिनसुकिया शाखा के अध्यक्ष श्री पवन केजरीवाल, सचिव श्री विमल चौखानी, कोषाध्यक्ष श्री संजय बंसल; माकुम रोड दुर्गा पूजा कमेटी के अध्यक्ष श्री मनोज अग्रवाल, सचिव श्री अनूप अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री रमेश अग्रवाल तथा सार्वजनिक काली मंदिर के सदस्य श्री प्रमोद बजाज, श्री राजेश चहड़िया, श्री हराधन मजुमदार एवं श्री राजकिशोर प्रसाद उपस्थित रहे।

सेवा कार्य में श्री मनोज अग्रवाल, श्री रमेश शर्मा, श्री निर्मल शर्मा, श्री दामोदर शर्मा, श्री पंकज गोयल, श्री श्याम अग्रवाल, श्री अरुण अग्रवाल, श्री सुरेश अग्रवाल, श्री उदित बसोदिया, श्री सजल मजूमदार, श्री गोपाल सरकार, श्री रामचंद्र राय, श्री रामबाबू साह, श्री चंदन, श्री राजकुमार अग्रवाल, श्री सज्जन खेतान एवं श्री शंभू सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहयोग दिया।

जवानों के साथ मनाया रक्षाबंधन

मारवाड़ी सम्मेलन, **खारुपेटिया शाखा** द्वारा २९ अगस्त २०२६ को लालपुल स्थित एसएसबी कैंप में देश की सुरक्षा में तैनात जवानों के साथ **रक्षाबंधन** का पावन पर्व आत्मीयता, सम्मान एवं भाईचारे के वातावरण में मनाया गया।

इस अवसर पर शाखा के सदस्यों ने जवानों को रक्षासूत्र बांधकर उनके प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की। साथ ही देश की सीमाओं एवं आंतरिक सुरक्षा में जवानों द्वारा प्रदर्शित समर्पण, साहस और सेवाभाव की सराहना की गई।

जवानों ने भी मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्यों द्वारा आयोजित इस आत्मीय कार्यक्रम के प्रति प्रसन्नता व्यक्त करते हुए समाज के इस स्नेह एवं सम्मान को सराहा।

शिव लिंगाष्टकम वाचन प्रतियोगिता

मारवाड़ी सम्मेलन **बरपेटा रोड शाखा** द्वारा स्थानीय श्री राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी प्रांगण में समाज के बच्चों के लिए **शिव लिंगाष्टकम वाचन प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण तथा प्रचार को बढ़ावा देना था।

प्रतियोगिता में कुल १९ बच्चों ने दो वर्गों ६ से ११ वर्ष एवं १२ से १८ वर्ष में भाग लिया। प्रत्येक वर्ग के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्तकर्ताओं को धनराशि, प्रमाण पत्र एवं असमिया फुलाम गमछा प्रदान किया गया। विजेताओं में दीपशिखा माहेश्वरी, पूरब धिरासरिया, मानया जाजोदिया, प्राची सिंह, लवराज शर्मा एवं लक्ष्मी प्रजापत शामिल हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ शाखा अध्यक्ष संजय घिड़िया, महिला शाखा अध्यक्ष सुमित्रा जैन, श्री राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी के अध्यक्ष श्री कैलाश सराफ एवं श्री शिव रतन राठी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और गणेश वंदना से हुआ। निर्णायक मंडली में पं. रत्नेश तिवाड़ी, श्री हरी किशन माहेश्वरी एवं प्रो. डॉ. जवाहर लाल नाहाटा शामिल थे। शाखा सचिव कमल खेमका ने स्वागत एवं अंत में धन्यवाद ज्ञापन किया।

कार्यक्रम का संचालन रवि प्रकाश अग्रवाल एवं संजय जाजोदिया ने संयुक्त रूप से किया। आयोजन की सफलता में स्थानीय गीता क्लास तथा उसकी शिक्षिकाओं एवं प्रेरणास्रोत अनुराधा माहेश्वरी, मिनाक्षी शर्मा, धनपति प्रजापत एवं अनीमा सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

"संस्कृति, संस्कार और संगठन का सशक्त संकल्प"

सम्मेलन की पहचान - संस्कार एवं संस्कृति
सम्मेलन का दायरा - सर्वसमाज एवं संस्थान
सम्मेलन का संकल्प - एक मजबूत संगठन

सम्मेलन के लक्ष्य - समाज सुधार एवं राष्ट्र निर्माण
सम्मेलन के हितेषी - समाज के ज्ञानी और दानी
सम्मेलन की ताकत - मातृशक्ति, युवाशक्ति एवं समाज बंधु

सम्मेलन के स्तभ - संगठन, शिक्षा, सहयोग एवं सम्मान
सम्मेलन के प्रयास - संस्कार-संस्कृति एवं मायड़ भाषा का प्रचार-प्रसार
सम्मेलन का प्रारब्ध - पुरखों और संस्कृति का सम्मान

सम्मेलन की चाह - संगठित समाज
सम्मेलन का सपना - पुरे विश्व में मान

श्री पवन कुमार गोयनका
रष्ट्रीय अध्यक्ष, अ.भा.मा.स.

शिक्षक दिवस समारोह

शिक्षक दिवस के अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन, **गुवाहाटी शाखा** द्वारा लोखरा स्थित Tsangpo Valley Academy में गरिमापूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए शीतल पेयजल मशीन एवं जल फिल्टर प्रणाली स्थापित की गई, जिसमें श्री अनिल जी ने उदार सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर संत कबीरदास का दोहा "गुरु गोविंद दोऊ खड़े..." प्रस्तुत किया गया। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत कुमार सुराणा ने अपने संबोधन में शिक्षक दिवस की महत्ता तथा शिक्षा, संस्कार एवं सेवा के माध्यम से समाज निर्माण पर विचार व्यक्त किए गए।

कार्यक्रम में श्रीमती तनुश्री देवी, प्रधानाचार्या, Tsangpo Valley Academy; श्री कैलाश काबरा, प्रांतीय अध्यक्ष, पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन; श्री सुशील गोयल, प्रांतीय उपाध्यक्ष, श्री रमेश चांडक, प्रांतीय महामंत्री, श्री अनिल जी, दाता एवं सहयोगकर्ता तथा श्री शंकर बिरला, शाखा अध्यक्ष, मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

श्री रानी सती मंगल पाठ का आयोजन

पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, **फकीराग्राम महिला शाखा** द्वारा ११ सितंबर को **श्री रानी सती दादी** के पावन मंगल चरित्र का गुणगान करते हुए मंगल पाठ का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया गया।

शिक्षक दिवस मनाया गया

शिक्षक दिवस के अवसर पर पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, **बिजनी महिला शाखा** द्वारा भेटागांव स्थित एलोरा आर्ट ट्रेनिंग सेंटर में चार विशिष्ट गुरुजनों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शाखा सचिव श्रीमती गरिमा अग्रवाला द्वारा गुरु वंदना से हुआ।

इस अवसर पर श्री जोगेश चंद्र शर्मा जी को अध्यक्ष श्रीमती सुनीता अग्रवाल जी, श्री देवा प्रसाद अधिकारी जी को सदस्य श्रीमती लीला माहेश्वरी जी, श्रीमती भद्रावती नाथ जी को उपाध्यक्ष श्रीमती संतोष शर्मा जी तथा कला शिक्षाविद् श्री रंजन देबनाथ जी को कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती रीता अग्रवाल जी द्वारा सम्मानित किया गया।

अध्यक्ष श्रीमती सुनीता अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम की सफलता में उपाध्यक्ष श्रीमती संतोष शर्मा, सचिव श्रीमती गरिमा अग्रवाला, उपसचिव श्रीमती प्रेरणा मंत्री, कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती साक्षी माहेश्वरी एवं समस्त सदस्यों का सहयोग रहा।

शिक्षक दिवस का पालन

शिक्षक दिवस के अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन, **शिवसागर शाखा** की ओर से शहर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जाकर शिक्षकों एवं प्राचार्यों को सम्मानित किया गया।

श्री सुंदरमल मॉडर्न स्कूल में आयोजित सम्मान कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्राचार्य श्री नगेन दास तथा शिक्षिकाओं श्री रितु पवन बोरा एवं सुश्री कविता अग्रवाला को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन, शिवसागर शाखा के आनंद प्रकाश केडिया, नंद किशोर झंवर एवं बिनीत अग्रवाला उपस्थित रहे।

वहीं, थानुराम गोगोई मेमोरियल हायर सेकेंडरी स्कूल, शिवसागर में विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती मामोनी फूकन को शिक्षक दिवस के अवसर पर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में सम्मेलन की ओर से आनंद प्रकाश केडिया एवं नंद किशोर झंवर उपस्थित रहे।

बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री वितरित

शिवसागर के शिमलुगुड़ी अभयपुरिया गाँव में २४ अगस्त २०२६ को बाढ़ प्रभावित जरूरतमंद परिवारों के बीच **राहत सामग्री** का वितरण किया गया। इस अवसर पर लगभग १२५ परिवारों को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप स्टूल, कांस/पीतल के बर्तन, कपड़े, चप्पल, नैपकिन एवं अन्य दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री प्रदान की गई।

साथ ही गाँव के छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक सामग्री भी वितरित की गई, ताकि बाढ़ की कठिन परिस्थितियों के बावजूद उनकी शिक्षा निरंतर जारी रह सके।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष बाढ़ राहत अभियान के अंतर्गत अब तक कुल १६ गाँवों में बाढ़ प्रभावित परिवारों तक उनकी आवश्यकता के अनुसार राहत सामग्री पहुँचाई जा चुकी है।

बाढ़ पीड़ितों के बीच राहत सामग्री का वितरण

बाढ़ की विषम परिस्थितियों में जरूरतमंद परिवारों की सहायता हेतु मारवाड़ी सम्मेलन **शिवसागर शाखा** एवं **घड़ी डिटर्जेंट पाउडर** के संयुक्त सहयोग से लकवा रेलवे क्रॉसिंग एवं लकवा सोलापथार क्षेत्र में राहत सामग्री का वितरण किया गया। लगभग २२० बाढ़ प्रभावित परिवारों को खाद्य सामग्री, पेयजल, फिनायल, ब्लीचिंग पाउडर, साड़ी, मेखला, शर्ट सहित आवश्यक वस्तुएँ प्रदान की गईं।

इस सेवा कार्य में श्री अरविंद राजखोवा, श्री प्रदीप कुमार खेमका, श्री रूपचंद करनानी, श्री प्रदीप शर्मा बोगड़, श्री सुरेश कुमार बरेलिया, श्री दीपक अग्रवाल (मोंटू) तथा घड़ी डिटर्जेंट पाउडर के नॉर्थ ईस्ट इंचार्ज श्री परमजीत सिंह उपस्थित रहे।

यह राहत कार्य राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत जी सुराणा के अनुरोध पर संभव हुआ, जिनके प्रयासों से घड़ी डिटर्जेंट पाउडर कंपनी द्वारा शिवसागर एवं आमगुड़ी शाखा के माध्यम से राहत सामग्री उपलब्ध कराई गई।

देशभक्ति और सेवा के रंग में रंगा मारवाड़ी सम्मेलन

पूर्वोत्तर प्रांत की विभिन्न शाखाओं एवं महिला शाखाओं ने १५ अगस्त २०२६ को **८०वां स्वतंत्रता दिवस** हर्षोल्लास, देशभक्ति एवं सामाजिक सेवा भावना के साथ मनाया। विभिन्न स्थानों – **आमगुड़ी शाखा, बरपेटा रोड महिला शाखा, बिजनी महिला शाखा, बंगाईगांव शाखा एवं महिला शाखा, डिब्रूगढ़ शाखा, धुबड़ी शाखा, फकीराग्राम महिला शाखा, गोलकगंज शाखा, शिवसागर शाखा, जोरहाट शाखा, कामरूप, गुवाहाटी एवं गुवाहाटी महिला शाखा, गुवाहाटी ग्रेटर एवं गुवाहाटी मेट्रो शाखा, कोकराझार शाखा, मोरानहाट शाखा, नगांव शाखा एवं महिला शाखा, सिलापथार शाखा एवं महिला शाखा, सिलचर शाखा एवं महिला शाखा, तिनसुकिया शाखा** पर ध्वजारोहण, राष्ट्रगान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, बच्चों को मिठाई एवं उपहार वितरण के साथ बाढ़ राहत, रक्तदान, जेलों में खाद्य सामग्री वितरण एवं जरूरतमंदों की सहायता जैसे सेवा कार्य किए गए।

आमसभा की बैठक सफलतापूर्वक संपन्न

झारखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की **आमसभा की बैठक** रविवार, ३० अगस्त २०२६ को मारवाड़ी भवन के द्वितीय तल्ले में गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में सम्मेलन के पूर्व अध्यक्षों, वर्तमान पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों एवं माननीय सदस्यों सहित रांची, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, देवघर, रामगढ़, खूंटी सहित विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारियों एवं सदस्यों का प्रांतीय अध्यक्ष **श्री सुरेश चन्द्र अग्रवाल** ने स्वागत एवं अभिनंदन किया।

सम्मेलन के महामंत्री **श्री विनोद जैन** ने वर्ष का वार्षिक प्रतिवेदन सभा के समक्ष प्रस्तुत किया तथा सम्मेलन की विभिन्न गतिविधियों में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

विषय-सूची के अनुसार पूर्व निर्वतमान अध्यक्ष श्री बसंत मित्तल द्वारा मारवाड़ी ट्रस्ट को दी गई ₹२५ लाख की राशि की वापसी के विषय पर विस्तृत चर्चा हुई। वर्तमान अध्यक्ष के आग्रह पर सभा ने सर्वसम्मति से इस मामले में एक माह और प्रयास करने पर सहमति प्रदान की। साथ ही भवन, कार्यालय एवं राशि की वापसी से संबंधित आवश्यक कार्रवाई के लिए अनुशासन समिति के संयोजक श्री कृष्णा अग्रवाल को अधिकृत किया गया।

सम्मेलन के कोषाध्यक्ष श्री मनोज चौधरी द्वारा वर्ष २०२५-२६ के अंकेक्षित आय-व्यय का विवरण सभा के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित किया। वर्ष २०२६-२७ के लिए अंकेक्षक की नियुक्ति भी सभा द्वारा सर्वसम्मति से की गई।

देवघर कार्यकारिणी द्वारा अनुमोदित संविधान संशोधन के संबंध में संयोजक श्री कमल केडिया ने संशोधित प्रस्ताव सभा के समक्ष रखा। सदस्यों द्वारा दिए गए विभिन्न सुझावों पर विचार-विमर्श के पश्चात आवश्यक अंशों का विलोपन एवं शुद्धिकरण करते हुए प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया गया।

सामाजिक आचार संहिता के संयोजक श्री महेश पोद्दार ने समाजहित में तैयार की गई आचार संहिता को सभा के समक्ष प्रस्तुत किया। अध्यक्ष ने कहा कि इस आचार संहिता को शीघ्र ही मीडिया, समाचार-पत्रों एवं पत्रिकाओं के माध्यम से समाज के लोगों तक पहुंचाया जाएगा, ताकि सामाजिक जीवन में अनुशासन, मर्यादा एवं सकारात्मक वातावरण को और मजबूत किया जा सके।

सम्मेलन की सामाजिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पूर्वी सिंहभूम, रांची, धनबाद, कोडरमा, देवघर एवं पश्चिमी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन को प्रांतीय अध्यक्ष श्री सुरेश चन्द्र अग्रवाल द्वारा मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सदस्यता विस्तार के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए श्रीमती नेहा पटवारी को भी मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया।

बैठक के अंत में सम्मेलन के वरीय उपाध्यक्ष श्री ललित कुमार पोद्दार ने उपस्थित सभी सदस्यों, पदाधिकारियों एवं अतिथियों के प्रति धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

निःशुल्क होमियोपैथिक चिकित्सा शिविर आयोजित

मारवाड़ी सम्मेलन **बेरमो शाखा** द्वारा चिकित्सा शिविर प्रभारी भवानी अग्रवाल की देखरेख में स्थानीय श्री अग्रसेन भवन, फुसरो में स्वर्गीय द्रौपदी देवी अग्रवाल की पुण्यस्मृति में उनके परिवारजनों के सौजन्य से **निःशुल्क होमियोपैथिक चिकित्सा शिविर** आयोजित किया गया।

शिविर का उद्घाटन महेश अग्रवाल, विजय अग्रवाल एवं मयंक अग्रवाल ने चिकित्सक डॉ. यू. के. नाग को पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। सम्मेलन अध्यक्ष छीतरमल अग्रवाल एवं मारवाड़ी भाया अध्यक्ष सुरेंद्र गोयल ने आयोजक परिवार के सदस्यों को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर छीतरमल अग्रवाल, कृष्ण कुमार चांडक, चिरंजी लाल अग्रवाल, भवानी अग्रवाल, सुरेंद्र गोयल, अमर चांडक, महेश अग्रवाल, विजय अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, मयंक अग्रवाल, सुशांत राईका, उमेश सिंह एवं रविन्द्र कुमार सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

INTRODUCING

manipal hospitals
LIFE'S ON

Comprehensive Cancer Care Centre

200-bed Manipal Comprehensive Cancer Care Centre, EM Bypass is one of the most advanced Cancer Care units today. The hospital is equipped with a comprehensive cancer treatment facility and provides latest cutting-edge technology along with a team of Senior Onco-Specialists.

Our Specialities:

- Organ specific Onco-Surgeons for Head & Neck, Urology, Gynaecology, Breast, Orthopaedic, GI & Thoracic, and Reconstructive Surgery
- Senior Specialists for Medical Oncology, Clinical Hematology, Hemato Oncology & Bone Marrow Transplant (BMT), Radiation Oncology, Paediatric Cancer, Nuclear Medicine
- Robotic & Advanced Microsurgery by latest version Da Vinci X Surgical Robot
- Radiation Oncology by latest TrueBeam Technology
- Advanced Onco Pathology Lab with molecular diagnosis facility

City's most Dedicated Team with Unparalleled Skill

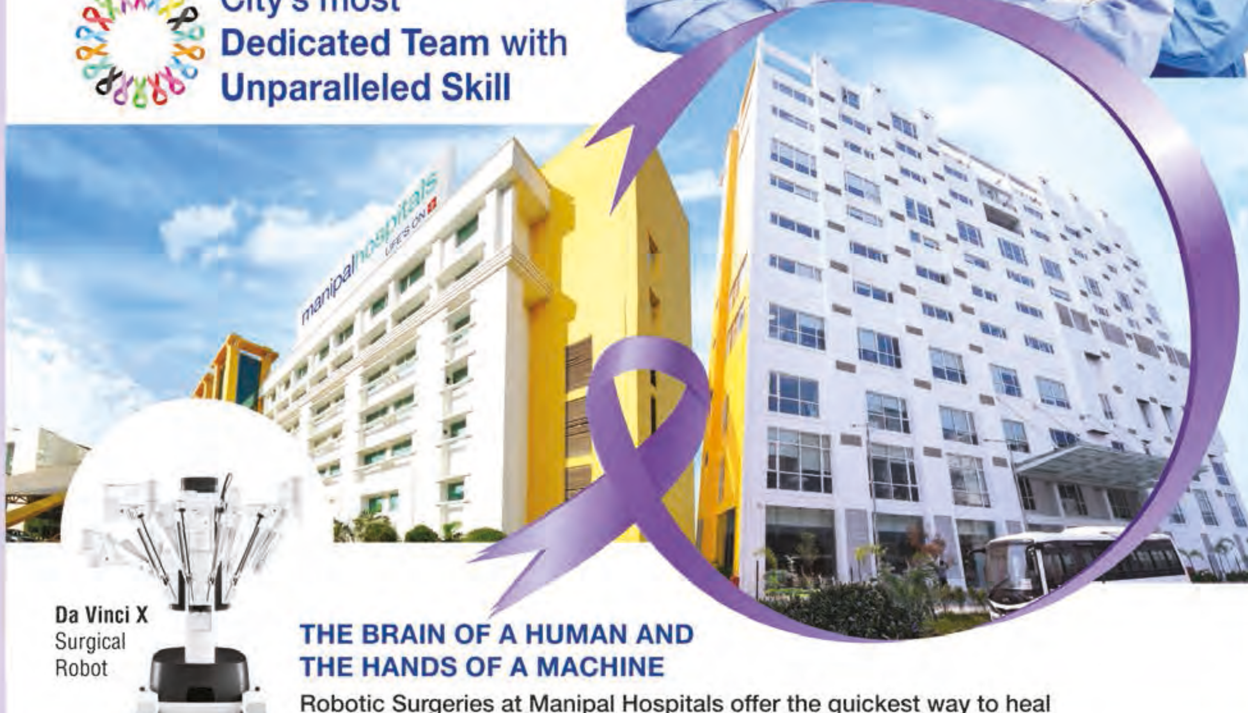

Da Vinci X Surgical Robot

THE BRAIN OF A HUMAN AND THE HANDS OF A MACHINE

Robotic Surgeries at Manipal Hospitals offer the quickest way to heal

Manipal Hospital EM Bypass: 127 Mukundapur, E.M. Bypass, Kolkata, West Bengal 700099

www.manipalhospitals.com | 033 6680 0000

IAC

SINCE 1959

ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab

POWERING 47 COUNTRIES ACROSS THE WORLD

IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959

PRODUCTS & SERVICES OFFERED:

- INSULATOR HARDWARE FITTINGS UPTO 1200 kV HVAC & 800 kV HVDC
- AB CABLE & OPGW FITTINGS
- POLE / DISTRIBUTION LINE HARDWARE
- EARTHING, STAY & TOWER ACCESSORIES
- HTLS CONDUCTOR ACCESSORIES & SUB-ZERO HARDWARE FITTINGS
- SUBSTATION CLAMPS & CONNECTORS
- CONDUCTOR, INSULATOR & HARDWARE TESTING FACILITY
- AB CABLES, COVERED CONDUCTORS AND ADSS CABLE ACCESSORIES

Transmission and distribution line hardwares | HTLS Conductor Testing

www.iacelectricals.com info@iacelectricals.com

701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata - 700020

प्रांतीय अध्यक्ष का स्वागत एवं शिष्टाचार भेंट

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल** के जमशेदपुर आगमन पर पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री मुकेश मित्तल** के कदमा स्थित आवास पर शिष्टाचार भेंट हुई। इस अवसर पर जिला महासचिव श्री प्रदीप कुमार मिश्रा भी उपस्थित रहे।

मुक्तिधाम की बदली तस्वीर

दुमका जिला मारवाड़ी सम्मेलन ने विजयपुर **मुक्तिधाम** के कायाकल्प की दिशा में उल्लेखनीय पहल की है। पिछले चार-पाँच महीनों में सम्मेलन के प्रयासों से मुक्तिधाम में स्वच्छता, सुविधा और सौंदर्यीकरण के कई कार्य कराए गए हैं।

पानी की समस्या दूर करने के लिए बोरिंग कराकर मोटर लगाई गई, सभी शेडों की मरम्मत कराई गई तथा दाह संस्कार स्थलों की संख्या दो से बढ़ाकर तीन की गई। मुख्य प्रवेश द्वार की मरम्मत एवं रंग-रोगन के साथ पूरे परिसर का सौंदर्यीकरण कराया गया। स्वच्छता के लिए डस्टबिन लगाए गए और जेसीबी से परिसर को समतल किया गया। नदी तक जाने वाले एप्रोच पथ को भी बेहतर बनाया जा रहा है। अब पर्यावरण संरक्षण के लिए बड़े पैमाने पर पौधरोपण की तैयारी है।

सम्मेलन के सदस्यों के अनुसार मुक्तिधाम के स्थायी विकास के लिए चारदीवारी, सीढ़ी घाट तथा खराब पड़ी हाई मास्ट लाइट को दुरुस्त कराना आवश्यक है। चारदीवारी के अभाव में मवेशियों के प्रवेश से सौंदर्यीकरण और पौधरोपण प्रभावित हो रहे हैं। सम्मेलन ने इन कार्यों के लिए जिला प्रशासन से सहयोग का आग्रह किया है। संस्था का कहना है कि संचालन एवं रख-रखाव का दायित्व मिलने पर समाज अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करेगा।

इस कार्य में श्री विनोद सिंघानिया, श्री सुनील कोटरीवाल, श्री लोकेश दारूका एवं दुमका जिला मारवाड़ी सम्मेलन के समर्पित कार्यकर्ताओं के सहयोग से कार्य प्रगति पर है।

उपलब्धियाँ

धनबाद के धैया निवासी श्री सुनील अग्रवाल एवं श्रीमती प्रीति अग्रवाल की प्रतिभाशाली सुपुत्रियों **प्रांजल मित्तल** एवं **आन्या मित्तल** ने श्रीमद्भगवद्गीता के १५वें अध्याय के संस्कृत में सामूहिक सस्वर वाचन से जुड़े Guinness World Records के आधिकारिक रिकॉर्ड प्रयास में सहभागिता कर प्रमाण-पत्र एवं मेडल प्राप्त कर हम सभी को गौरवान्वित किया है। **बधाई**।

राजस्थान के नीमकाथाना निवासी होनहार बेटी **खुशी अग्रवाल**, प्रतिष्ठित व्यवसायी गोपाल अग्रवाल एवं पूनम अग्रवाल की सुपुत्री हैं। उन्होंने आईसीएसआई द्वारा जून २०२६ में आयोजित सीएस प्रोफेशनल परीक्षा में ऑल इंडिया फर्स्ट रैंक प्राप्त कर देशभर में प्रथम स्थान हासिल किया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि से उन्होंने सीकर जिले, नीमकाथाना एवं अपने परिवार का नाम रोशन किया है। **बधाई**।

बरगढ़ की प्रसिद्ध समाजसेवी फूलचंद अग्रवाल के पुत्र मनोज अग्रवाल (कांटापालिया) की सुपुत्री लॉस एंजिल्स (अमेरिका) से पायलट प्रशिक्षण प्राप्त कर **कैप्टन तनिषा अग्रवाल** बरगढ़ जिले की पहली महिला पायलट बन गई हैं। उनका चयन देश की प्रतिष्ठित विमानन कंपनी इंडिगो एयरलाइंस (IndiGo Airlines) में हुआ है, जिससे पूरे समाज और क्षेत्र में गौरव का माहौल है। **बधाई**।

शिमलुगुड़ी के निवासी श्री गिरधारी जालान की होनहार बेटी **सोनु जालान** ने अखिल भारतीय NET परीक्षा में ९९.७०% अंक प्राप्त कर सहायक प्राध्यापक एवं Junior Research Fellowship (JRF) के लिए चयनित होकर अपनी प्रतिभा का शानदार परिचय दिया है। **सोनु जालान को हार्दिक बधाई**।

बंगाईगांव निवासी श्री सुजीत अग्रवाल एवं श्रीमती संजना अग्रवाल के सुपुत्र **कैप्टन तुषार अग्रवाल** ने अपनी मेहनत, अनुशासन और लगन के बल पर प्रतिष्ठित इंडिगो एयरलाइंस में कैप्टन के रूप में अपनी पहचान बनाई है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार एवं बंगाईगांव क्षेत्र गैरवान्वित हुआ है। **कैप्टन तुषार अग्रवाल को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ**।

सौंतला शाखा का संगठनात्मक दौरा

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के बलांगीर ज़ोन के पदाधिकारियों द्वारा **सैंतला शाखा** का सफल दौरा किया गया। इस अवसर पर आगामी २०२६-२८ कार्यकाल के लिए शाखा की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

नई कार्यकारिणी में श्री संतोष अग्रवाल को अध्यक्ष, श्री मनोज अग्रवाल को सचिव एवं श्री संजय अग्रवाल को कोषाध्यक्ष बनाया गया।

इस अवसर पर बलांगीर ज़ोन से श्री संजय अग्रवाल, उपाध्यक्ष, उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, श्री अनिल मोदी, जोन सचिव, श्री गजानन अग्रवाल, संगठन विस्तार एवं श्री पवन अग्रवाल, मीडिया प्रभारी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

टीटलागढ़ व तुषरा शाखा का दौरा

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय उपाध्यक्ष संजय अग्रवाल (अन्नु), प्रांतीय सदस्यता विस्तार अध्यक्ष मोहन अग्रवाल, बलांगीर जोन महासचिव अनिल मोदी एवं प्रांतीय मीडिया प्रभारी पवन अग्रवाल ने रविवार को टीटलागढ़ एवं तुषरा शाखा का दौरा किया।

दौरे के दौरान आयोजित बैठकों में सदस्यता विस्तार अभियान को गति देने, महिला सहभागिता बढ़ाने, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन तथा समाजसेवा गतिविधियों को और प्रभावी बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए युवाओं एवं महिलाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है तथा अधिक से अधिक लोगों को सम्मेलन से जोड़ने का आह्वान किया। साथ ही आगामी जोनल बैठक के आयोजन को लेकर आवश्यक तैयारियों एवं सुझावों पर चर्चा हुई।

इस अवसर पर टीटलागढ़ एवं तुषरा शाखा के अध्यक्ष, सचिव, सह सचिव, समाज के वरिष्ठ सदस्य तथा यूपीएमएस महिला समिति टीटलागढ़ की पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

तरभा, सोनपुर एवं बिनिका शाखाओं के दौरे

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय एवं बलांगीर जोन के पदाधिकारियों ने तरभा, बिनिका एवं सोनपुर शाखाओं का संगठनात्मक दौरा किया। दौरे के दौरान संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा के साथ शाखाओं को सशक्त बनाने, सदस्यता विस्तार को गति देने तथा समाजसेवा के कार्यों को और प्रभावी बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई।

विशेष रूप से लंबे समय से निष्क्रिय रही तरभा शाखा को पुनः सक्रिय करने की दिशा में यह दौरा महत्वपूर्ण रहा। इस अवसर पर वर्ष २०२६-२८ के लिए तरभा शाखा की नई टीम का गठन किया गया। इसमें श्री मांगे लाल अग्रवाल को अध्यक्ष, श्री कैलाश अग्रवाल को सचिव तथा श्री गोपाल प्रसाद को कोषाध्यक्ष बनाया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों को उपस्थित सदस्यों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

दौरे के दौरान यूपीएमएस के प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, श्री सत्यनारायण अग्रवाल, सदस्यता वृद्धि सह-समन्वयक श्री गजानन अग्रवाल, प्रांतीय प्रभारी पत्रकार पवन अग्रवाल, टिटिलागढ़ के निवर्तमान अध्यक्ष श्री राजेश अग्रवाल, बलांगीर शाखा अध्यक्ष श्री सुशील अग्रवाल एवं सचिव श्री कन्हैया लाल अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की बैठक में प्रांतीय पदाधिकारियों ने कहा कि तरभा शाखा के पुनर्गठन से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी तथा क्षेत्र में समाजसेवा एवं संगठन विस्तार के कार्यों को नई गति प्राप्त होगी।

बिनिका शाखा के पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत बनाने एवं इसके विस्तार में सक्रिय भागीदारी निभाने की बात कही। वहीं सोनपुर में मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्यों ने कार्यक्रम के संचालन में सक्रिय भूमिका निभाई।

सोशल मीडिया पेज से जुड़ें

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सोशल मीडिया में उपस्थिति फेसबुक एवं इंस्टाग्राम पेज के माध्यम से प्रारंभ हो चुकी है। सभी समाज-बंधुओं से विनम्र निवेदन है कि फेसबुक : AIMF1935 व इंस्टाग्राम : allindiamarwarifederation_ को अधिक से अधिक संख्या में लाइक/फॉलो करें। इसके द्वारा हम आपसी संवाद एवं संपर्क को बढ़ावा देंगे एवं इससे सम्मेलन की सूचनाओं का आदान-प्रदान भी संभव हो पाएगा। सम्मेलन के सभी प्रांत, शाखा एवं समाज से जुड़े सभी समाज-बंधुओं से अनुरोध है कि इस सुविधा का लाभ उठाएं तथा अपने सूचना/विचार एवं कार्यक्रम की फोटो पोस्ट करने के लिए राष्ट्रीय कार्यालय में व्हाट्सएप +91 86973 17557 करके या ईमेल (aimf1935@gmail.com) में भेज सकते हैं, ताकि उपयुक्त जानकारियों को हम एक-दूसरे के साथ साझा कर सकें। इस संबंध में आपके सुझाव आमंत्रित हैं। राम! राम!!

– **केदार नाथ गुप्ता**, राष्ट्रीय महामंत्री

प्रांतीय समाचार : उत्कल

दो दिवसीय "उड़ान-२" ट्रेड फेयर का आयोजन

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की **सबंलपुर शाखा** द्वारा गत वर्ष की सफलता के बाद इस वर्ष भी **"उड़ान-२"** ट्रेड फेयर का दो दिवसीय आयोजन २१ एवं २२ अगस्त को इटा हाउस, तराजपुर स्थित अग्रसेन भवन में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य गृह उद्योग, लघु व्यवसाय एवं हस्तनिर्मित उत्पादों से जुड़े उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन एवं विपणन के लिए मंच उपलब्ध कराना रहा।

उद्घाटन समारोह सबंलपुर शाखा के अध्यक्ष श्री शीशराम अग्रवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अशोक जालान, उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल, शाखा सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री मतूराम अग्रवाल, श्री चंदू सराफ एवं सहित मारवाड़ी युवा मंच नवचेतना की सदस्याएं एवं अन्य अतिथिगण उपस्थित रहे।

दो दिवसीय ट्रेड फेयर में राज्य एवं राज्य के बाहर से आए उद्यमियों द्वारा विभिन्न प्रकार के स्टॉल लगाए गए, जहां गृह उद्योग एवं छोटे व्यवसायों से जुड़े उत्पादों को प्रदर्शित एवं बिक्री के लिए उपलब्ध कराया गया।

इस अवसर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

"उड़ान-२" ट्रेड फेयर ने महिला उद्यमिता, गृह उद्योग, स्वरोजगार एवं आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के रूप में अपनी पहचान बनाई। सम्मेलन ने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे आयोजनों से समाज के छोटे उद्यमियों एवं महिला व्यवसायियों को आगे बढ़ने के नए अवसर प्राप्त होंगे।

सबा स निवेदन है आपणां घरा में टाबरां साथै अर आपसरी में मायड़ भासा मारवाड़ी में ही बोल बतलावण करो।

विशेष

प्रेमाश्रय :

सेवा, संवेदना और मानवता की मिसाल

सी.ए. श्री विनोद अग्रवाल (टिटलागढ़) एवं **श्री सत्यनारायण अग्रवाल** (बलांगीर) द्वारा संचालित **'प्रेमाश्रय'** कैंसर मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए सेवा और आशा का एक प्रेरणादायी केंद्र है।

श्री विनोद अग्रवाल के पिता स्वर्गीय श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल टिटलागढ़ के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं कर पेशेवर थे। वे उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष तथा वर्ष २००४-०६ में अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रहे। समाजसेवा के ये संस्कार आज उनके परिवार द्वारा आगे बढ़ाए जा रहे हैं।

भुवनेश्वर में एम्स के निकट लगभग १०,००० वर्गफुट में स्थापित प्रेमाश्रय में २८ कमरे, हॉल एवं किचन की व्यवस्था है। यहां दूर-दराज से उपचार के लिए आने वाले कैंसर मरीजों एवं उनके परिजनों को निःशुल्क रहने और भोजन की सुविधा मिलती है। एक समय में लगभग ६० लोगों की व्यवस्था यहां की जा सकती है।

एम्स, सम हॉस्पिटल, आचार्य हरिहर एवं एससीबी मेडिकल कॉलेज में मरीजों के समन्वय एवं सहायता के लिए स्टाफ भी नियुक्त है। इस सेवा कार्य का मासिक खर्च लगभग ६ लाख रुपये है, जिसे संस्थापक एवं सहयोगियों द्वारा वहन किया जा रहा है।

हाल ही में उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारियों ने प्रेमाश्रय का दौरा कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और मरीजों से मिलकर फल वितरित किए।

प्रेमाश्रय आज मानवता, सेवा और सामाजिक दायित्व की एक अनुकरणीय मिसाल है। समाज के सहयोग से यह सेवा और अधिक जरूरतमंद मरीजों तक पहुंच सकती है।

Bank Name - Axis Bank Ltd

A/c Name - Premashraya Charitable Trust

A/c No.- 922020055038264

IFSC - UTIB0000024

UPI ID - mab.037136000240031@axisbank

स्रोत : उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. सुभाष चन्द्र अग्रवाल से प्राप्त सूचना की अनुसार।

शिष्टाचार भेंट

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की **भुवनेश्वर शाखा** द्वारा कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के राज्य अध्यक्ष श्री सीताराम अग्रवाल का आत्मीय एवं गरिमापूर्ण सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में भुवनेश्वर शाखा के अध्यक्ष श्री मनोज बाजोरिया, शाखा सचिव श्री किशन खंडेलवाल, शाखा कोषाध्यक्ष श्री कैलाश अग्रवाल, श्री प्रदीप चौधरी, श्री राधेश्याम अग्रवाल एवं श्री मुरारी लाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

८०वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की **जयपटना शाखा** द्वारा **८०वाँ स्वतंत्रता दिवस** स्थानीय अग्रवाल भवन में हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष श्री शंकर कुमार अग्रवाल ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया। ध्वजारोहण के पश्चात उपस्थित सभी सदस्यों ने राष्ट्रगान के साथ राष्ट्र के प्रति अपनी श्रद्धा एवं सम्मान व्यक्त किया। कार्यक्रम में महिला समिति की सदस्यों की विशेष एवं उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही।

मंडलीय सभा की शानदार मेजबानी

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की **लोईसिंहा शाखा** द्वारा बलांगीर **मंडलीय सभा** की आत्मीय एवं भव्य मेजबानी की गई। शाखा ने पूरे कार्यक्रम में उत्साह, समर्पण एवं उत्कृष्ट आतिथ्य का परिचय देते हुए स्वागत-सत्कार, सजावट, भोजन एवं आयोजन की शानदार व्यवस्था की।

कार्यक्रम की सफलता में शाखा की पूरी टीम का सराहनीय सहयोग रहा।

भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की **बलांगीर शाखा** की ओर से पावन धार्मिक भावना एवं श्रद्धा के साथ खुजेनपाली स्थित शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का पवित्र **गंगाजल से जलाभिषेक** किया गया।

इस पावन अवसर पर उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल जी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस गंगा जलाभिषेक सेवा का सौजन्य उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल जी की ओर से किया गया। उनके इस धार्मिक एवं सामाजिक सहयोग के लिए उपस्थित सदस्यों ने आभार व्यक्त किया।

श्याम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह संपन्न

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की **बालेश्वर शाखा** द्वारा नवीन श्याम मंदिर की **प्राण-प्रतिष्ठा** के पावन अवसर पर सेवा, समर्पण एवं संगठन की भावना का उत्कृष्ट परिचय दिया गया।

प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। इस अवसर पर बालेश्वर शाखा ने लगभग १,५०० से २,००० श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद सेवा एवं अन्य व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभाली।

इस सेवा कार्य में शाखा अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र मोर की प्रमुख भूमिका रही।

स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की सोहेला शाखा द्वारा देश का **८०वां स्वतंत्रता दिवस** उत्साह एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया गया तथा राष्ट्रगान के साथ राष्ट्र के प्रति सम्मान एवं श्रद्धा व्यक्त की गई।

शिक्षा विकास ट्रस्ट एवं कोर कमेटी की बैठक संपन्न

दिनांक ३० अगस्त २०२६ को प्रांतीय कार्यालय, संबलपुर में **शिक्षा विकास ट्रस्ट** एवं **कोर कमेटी** की बैठक प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. सुभाष चंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन एवं समाजहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

शिक्षा विकास ट्रस्ट के विद्यार्थियों को दिए जाने वाले अनुदान को रिफंडेबल/ऑप्शनल रखने तथा संबलपुर में छात्रावास को प्रारंभिक रूप से किराए के भवन में ट्रायल बेसिस पर शीघ्र शुरू करने का निर्णय लिया गया। अनुदानदाताओं को प्रांत की ओर से प्रशस्ति-पत्र/प्रांतीय प्रमाण-पत्र से सम्मानित करने तथा प्रत्येक प्रांतीय/मंडलीय बैठक में ट्रस्ट की समीक्षा करने का निर्णय हुआ। इस अवसर पर श्री प्रदीप अग्रवाल ने ट्रस्ट हेतु ₹१०,००० के सहयोग की घोषणा की।

सभी शाखाओं द्वारा क्षेत्र के वरिष्ठ समाजबंधुओं का घर जाकर सम्मान करने का निर्णय हुआ। इसी क्रम में बैठक में उपस्थित वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया तथा बरपाली के वरिष्ठ सदस्य श्री मोतीलाल अग्रवाल जी को प्रांत की ओर से दुपट्टा पहनाकर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। अगली प्रांतीय बैठक पुरी में आयोजित करने तथा पुरी में मारवाड़ भवन हेतु भूमि प्राप्त करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई का निर्णय लिया गया।

बैठक में शिक्षा विकास ट्रस्ट के चेयरमैन श्री अशोक जालान, निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल, प्रांतीय महामंत्री श्री किशन अग्रवाल, प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री मांगतूराम जी, झलक चेयरमैन श्री विजय केडिया, श्री चंद्र कुमार सराफ, श्री प्रदीप अग्रवाल, श्री जयदयाल जी अग्रवाल, प्रांतीय बरगढ़ मंडल उपाध्यक्ष श्री बिनोद अग्रवाल, श्री सुरेश टीनावाले, प्रांतीय बरगढ़ मंडल सचिव श्री आनंद बिरमीवाल, श्री सुभाष सितानी जी, प्रांतीय सचिव श्री कमल पंसारी, प्रांतीय महिला प्रभारी श्रीमती सरिता जी एवं उनकी टीम सहित अनेक पदाधिकारियों एवं सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

श्रद्धांजलि

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के वरिष्ठ और अति सक्रिय सदस्य भागलपुर निवासी हाल मुकाम पटना **श्री नागर मल बाजोरिया** का ३ सितंबर २०२६ को ९७ वर्ष की आयु में बैकुंठवास हो गया। विनम्र श्रद्धांजलि!

मारवाड़ भवन के लिए भूमि प्राप्ति हेतु प्रयास

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा पुरी धाम में मारवाड़ भवन के निर्माण हेतु भूमि प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। माननीय विधायक श्री नबीन जैन जी के नेतृत्व में सम्मेलन की एक विशेष टीम ने पुरी पहुंचकर इस संबंध में विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से संपर्क एवं चर्चा की।

इस दौरान टीम ने पुरी कलेक्टर, ब्रह्मगिरि की विधायक श्रीमती उपासना महापात्र जी, ब्रह्मगिरि तहसीलदार तथा आर.ई. (ङःक) विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर मारवाड़ भवन के लिए उपयुक्त भूमि उपलब्ध कराने तथा आवश्यक प्रक्रिया के संबंध में चर्चा की।

पुरी धाम में प्रस्तावित मारवाड़ भवन को समाज के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में यह प्रयास अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

श्रद्धांजलि

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन बंगाईगांव शाखा के संस्थापक अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी **श्री प्रेमनाथ हरलालका** का १९ सितम्बर २०२६ को निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मारवाड़ी समाज के लिए अत्यंत दुःखद एवं अपूरणीय क्षति है। सम्मेलन परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि।

प्रांतीय समाचार : आंध्र प्रदेश

मिट्टी की गणेश प्रतिमाओं का नि:शुल्क वितरण

१२ सितंबर २०२६ को आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विशाखापट्टनम मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री पोद्देश्वर पुरोहित** के नेतृत्व में जगदंबा जंक्शन के पास मिट्टी से निर्मित **गणेश प्रतिमाओं** का **नि:शुल्क वितरण** किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से श्रद्धालुओं को पर्यावरण-अनुकूल गणेशोत्सव मनाने का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर पूर्व प्रांतीय महामंत्री श्री पोद्देश्वर पुरोहित ने लोगों से मिट्टी की गणेश प्रतिमाओं की पूजा करने की अपील करते हुए कहा कि पौराणिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने हल्दी से गणेशजी की रचना की थी। इसी भावना से प्रेरणा लेते हुए मिट्टी की प्रतिमाओं को अपनाना हमारी धार्मिक आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

उत्तरांध्र जर्नलिस्ट्स फ्रंट (यूजेएफ) के अध्यक्ष डॉ. एम.आर. एन. वर्मा ने कहा कि प्लास्टर ऑफ पेरिस एवं रासायनिक रंगों से निर्मित प्रतिमाओं के विसर्जन से जलस्रोतों और जलजीवों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने लोगों से मिट्टी की प्रतिमाओं का उपयोग एवं विसर्जन कर नदियों और तालाबों को स्वच्छ रखने में सहयोग देने का आह्वान किया।

१७वीं भव्य कांवड़ यात्रा संपन्न

आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की **विजयवाड़ा मारवाड़ी सम्मेलन शाखा** एवं शिव भक्त मंडल के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक २३ अगस्त २०२६ को प्रात: ६:०० बजे विजयवाड़ा में **१७वीं भव्य कांवड़ यात्रा** का श्रद्धा एवं उत्साह के साथ शुभारंभ किया गया।

विजयवाड़ा की पावन कृष्णा नदी के वीआईपी घाट से प्रारंभ हुई इस कांवड़ यात्रा में लगभग ७०० से ८०० शिवभक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा वीआईपी घाट से रवाना होकर केनाल रोड, गणेश मंदिर, ओवर ब्रिज, एम.जी. रोड, बैन सर्कल आदि मार्गों से होते हुए लगभग १२ किलोमीटर पैदल यात्रा कर गुरुनानक कॉलोनी स्थित शिव मंदिर पहुंची।

प्रांतीय समाचार : बिहार

प्रादेशिक कार्यकारिणी एवं प्रादेशिक सभा की संयुक्त बैठक

दिनांक १३ सितंबर २०२६ को गया जी शाखा के आतिथ्य में **बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन** के सत्र **२०२५-२७** की **कार्यकारिणी की चतुर्थ बैठक** एवं प्रादेशिक सभा की प्रथम बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में प्रदेश की विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारियों एवं प्रांतीय अध्यक्ष श्री राकेश कंसल की अध्यक्षता में सदस्यों के साथ गया जी के बड़ी संख्या में समाजबंधुओं एवं मातृशक्ति की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही।

बैठक में संगठनात्मक विषयों के साथ-साथ सम्मेलन में महिलाओं की भागीदारी एवं जिम्मेदारियों को और अधिक बढ़ाने पर सार्थक चर्चा हुई।

विशेष रूप से अध्यक्ष सह प्रमंडलीय मंत्री श्री प्रदीप धानुका, शाखा मंत्री श्री विपिन केजरीवाल, प्रमंडलीय सदस्यता प्रभारी श्री राजेन्द्र अग्रवाल तथा संयोजक श्री शिव शंकर अग्रवाल के अथक प्रयासों एवं कुशल संयोजन की सराहना की गई।

इसी क्रम की श्रखंला में गया निवासी वरिष्ठ समाजसेवी श्री शिव कैलाश डालमिया को उनके दीर्घ सामाजिक जीवन एवं समाजसेवा में उल्लेखनीय योगदान के लिए बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से उनके निवास स्थान पर जाकर "सेवा का सम्मान" प्रदान किया गया।

प्रांतीय समाचार : मध्य प्रदेश

गीता भवन में गूंजी भक्ति की सरिता

सम्मेलन के संस्थापक अध्यक्ष स्व. राय बहादुर रामदेव चोखानी ने समाज सेवा और सनातन संस्कारों की जिस सुदृढ़ नींव का निर्माण किया था, उसी गौरवमयी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए उनके पौत्र श्री अरुण जी चोखानी (इंदौर) ने भक्ति और पितृ-भक्ति का एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

हाल ही में इंदौर के प्रतिष्ठित गीता भवन में चोखानी परिवार द्वारा अपने पूज्य पितरों की पावन स्मृति में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथाज्ञान यज्ञ न केवल अध्यात्म का उत्सव बना, बल्कि संपूर्ण समाज के लिए एक दिशा-निर्देशक सिद्ध हुआ।

श्री अरुण जी चोखानी ने कथा व्यास के रूप में वृंदावन से पधारे मात्र ३१ वर्षीय ओजस्वी वाचक श्री गोपाल कृष्ण शास्त्री जी को आमंत्रित किया। शास्त्री जी ने श्रीमद्भागवत के गूढ़ दर्शन, धर्म और नीति-मूल्यों को जिस सहज, संगीतमय और ओजस्वी शैली में प्रस्तुत किया, उसने बुजुर्गों से लेकर युवाओं तक सभी को भावविभोर कर दिया।

सदस्य क्यों बने?

देश के सभी भागों से सम्पर्क स्थापना।

रोजगार सहायता, व्यापार सहयोग, स्वास्थ्य सहयोग, उच्च शिक्षा सहयोग कार्यक्रम का लाभ।

समाज सुधार, संस्कार संस्कृति चेतना कार्यक्रम से जुड़ना।

मायड़ भाषा के प्रचार-प्रसार में भागीदारी।

सामाजिक सुरक्षा, भाईचारा की भावना का विकास।

समाज में विभिन्न घटकों को एकजुट होकर **म्हारी चाह - संगठित समाज** के नारे को सार्थक करना।

व्यक्ति विकास-व्यक्ति चला जाता है उसकदा व्यक्तित्व रह जाता हैं।

समाज विकास में अवदान के अवसर।

राष्ट्र की उन्नति में भागीदारी।

कविता

अनंत संभावनाओं का जीवन

चतुराई की बन आई है,
ईमान धर्म का मोल कहां है?
अनंत संभावनाओं का जीवन,
पल पल यूं ही बीत रहा है।

मक्कारी की होड़ लगी है,
सब शामिल यहां वहां है।
हर कोई ठगने को आतुर,
मौका अपना खोज रहा है।

बेईमानी की जय जयकार,
ताल ठोकते बढ़ रहा है।
शानो शौकत की भीड़ भाड़ है,
सरलता का ग्राहक कहां है?

मिठास गुम हो गए रिश्तों से,
स्वार्थपरता जीत रहा है ।
संस्कार संस्कृति मौन हो गए
स्वच्छंदता बोल रहा है ।

चमक-दमक की बन आई है,
अंतस में तम बढ़ रहा है ।
लुप्त हो गया मस्ती जीवन से
सुख के साधन खोज रहा है।

जो जाएगा साथ उसके,
उन सब को छोड़ रहा है।
यहां धरा जो रह जाएगा,
उन सबको जोड़ रहा है।

परोपकार का मर्म न समझा,
दानवता जीत रहा है,
अनंत संभावनाओं का जीवन,
पल-पल यूं ही बीत रहा है।

– शिव कुमार लोहिया

सदस्य कैसे बने?

१. देश के २४ प्रांतो की प्रांतीय सम्मेलनों से सम्पर्क करें।

२. सदस्यता आवेदन प्रांतीय या राष्ट्रीय कार्यालय सदस्यता शुल्क के साथ भेंजे।

३. अधिकजानकारीकेलिए www.marwarisammelan.com को देखें एवं सदस्यता आवेदन पत्र डाउनलोड करें।

४. राष्ट्रीय कार्यालय के दिए गए पते पर सम्पर्क करें।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य				
श्री संदीप टिबड़ेवाल बी. सी. दास रोड, शांतिपाड़ा, डिब्रूगढ़, असम मो. ९४३५०३१३७४	**श्री संजय अग्रवाल** मेसर्स - हरियाणा क्लॉथ स्टोर जागीरोड, मोरीगाँव, असम मो. ९९५७५४४५०२	**श्री संतोष अग्रवाल** एम.जी. रोड, जागीरोड मोरीगाँव, असम मो. ९१२७२५९२९९	**श्रीमती सारिका भंडारी** बाल्टी कारखाना गली अठगाँव, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५०१८८०२	**श्रीमती सरोज काकरा** कुमारपाड़ा, पांचाली गुवाहाटी, असम मो. ९१०१३९२६८१
श्री संदीप चमड़िया चक्रेश्वर पथ, कालीपुर कामाख्या, कामरूप, असम मो. ९४३५०२८४३९	**श्री संजय कुमार अगरवाला** नेहरू रोड, डूमडूमा तिनसुकिया, असम मो. ९४३५५७२३०८	**श्री संतोष जैन** ए-सेक्टर, नाहरलगुन, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९४३६२२४७५७	**श्रीमती सारिका बोथरा** पगलास्थान, बोंगाइगाँव, असम मो. ९४०१६८१८४१	**श्रीमती शशि धूत** पब सरानिया, चाँदमारी, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५११२३४४
श्री संदीप खाटूवाला न्यू चार्ली, राहा नगाँव, असम मो. ९४३५०६८७०८	**श्री संजय कुमार अगरवाला** ज्ञान विला, मानव कल्याण रोड, तिनसुकिया, असम मो. ८८११०९२७१४	**श्रीमती संतोष कासलीवाल** द्वारा - एम.के. जैन केशर सदन, बोंगाईगाँव, असम मो. ८६३८४८१५८१	**श्रीमती सरिता बैद** द्वारा - बिमल बैद, शास्त्री रोड, बोंगाइगाँव, असम मो. ८६३८७८००८३	**श्री सत्य नारायण भट्टर** मेसर्स - भट्टर स्टोर गोलाघाट, असम मो. ९४३५०९६१३६
श्री संदीप खेतान न्यू चार्ली, राहा नगाँव, असम मो. ९४३५०६२९२७	**श्री संजय कुमार बंसल** मेसर्स- हाई टेक प्रिंटर्स, गांधी पार्क रोड, तिनसुकिया, असम मो. ९४३५१३४२२५	**श्री संतोष कुमार जैन** द्वारा-संतोष कुमार जैन एंड कंपनी ईस्ट बाज़ार, करीमगंज, असम मो. ९४३५०७६१२०	**श्रीमती सरिता देवी बैद** आचार्य तुलसी मार्ग, उत्तर बोंगाइगाँव, बोंगाइगाँव, असम मो. ९८५९९२१६५८	**श्री सत्य नारायण तापड़िया** मेसर्स - भवानी इलेक्ट्रिकल्स चापागुड़ी रोड, बोंगाइगाँव, असम मो. ९४३५१२२६८१
श्री संदीप कुमार गंग मेसर्स - महावीर एंटरप्राइज करीमगंज, असम मो. ९४३५७२४०५४	**श्री संजय कुमार भुवालका** मानकोटा रोड, चौकीडिंगी डिब्रूगढ़, असम मो. ६००१८२७५५८	**श्री संतोष कुमार सेठिया** न्यू चार्ली, राहा, नगाँव, असम मो. ९४३५०६३०५१	**श्रीमती सरिता गोयल** बिष्णुपुर मेन रोड, हनुमान मंदिर, कामरूप, असम मो. ९८६४४११९१६	**श्री सौरव मोरे** मेसर्स-बी.डी. फर्नीचर हाउस, हैबरगाँव, नगाँव, असम मो. ७००२५१७५३७
श्रीमती संगीता अगरवाला शुभम स्वीट्स के सामने गुवाहाटी, असम मो. ९८५४०२०७०१	**श्री संजय कुमार बिहानी** चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४०१२३०९०९	**श्रीमती संतोष महेश्वरी** ए.टी. रोड, गुवाहाटी, असम मो. ९४०१०८१८४२	**श्रीमती सरिता सुरेका** चापागुड़ी रोड, बोंगाइगाँव, असम मो. ९४३५१२२९८२	**श्रीमती सविता जैन** अठगाँव, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५१०२२२६
श्रीमती संगीता भंसाली ए.ओ.सी. रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२२३०१	**श्री संजय कुमार देवड़ा** मारवाड़ी पट्टी, ए.टी. रोड, डिब्रूगढ़, असम मो. ९४३५०३२७५२	**श्रीमती संतोष शर्मा** चपागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ८६१९९४३०२३	**श्रीमती सरला बोथरा** नारायण नगर, गुवाहाटी, असम मो. ९८६४०६४५२०	**श्रीमती सावित्री शर्मा** नहरलगुन, ईटानगर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ८७८७६१२०७७
श्रीमती संगीता सेठी मेसर्स - असम स्टील कंपनी, सुभाष रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२०३०७	**श्रीमती संजू भंसाली** चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९१०१७५४२५०	**श्रीमती संतोष शर्मा** द्वारा - शर्मा एंटरप्राइज, एन. टी. रोड, लक्खीमपुर, असम मो. ७७४२६७८००७	**श्रीमती सरला लाहोटी** कृष्ण कुंज, बी.आर. फुकन रोड, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५०४२६३७	**श्रीमती सीमा गोयनका** ए.टी. रोड, गुवाहाटी, असम मो. ९९५४१९०००२
श्रीमती संगीता भरेच पानबाजार, जसवंत रोड गुवाहाटी, असम मो. ९८६४०२९१३१	**श्रीमती संजू जैन** ए-सेक्टर, नहरलगुन, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९४३६०४१६२७	**श्रीमती सपना बाहेती** एफ. सेक्टर, ईटानगर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९७७४००७३७६	**श्रीमती शर्मिला बजाज** एन.एस. रोड, फाटाशिल गुवाहाटी, असम मो. ९९५४२०६३८३	**श्रीमती सीमा जैन** मेन रोड, बड़ा बाज़ार बोंगाईगाँव, असम मो. ७००२५१६८४७
श्रीमती संगीता कुचेरिया के.आर.सी. रोड, कुमारपाड़ा, गुवाहाटी, असम मो. ८४८६१७०००१	**श्रीमती संजू शर्मा** सूर्या वाटिका अपार्टमेंट गुवाहाटी, असम मो. ८०११७७९४५१	**श्रीमती सपना मालपानी** ईटानगर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९७७४००७६५३	**श्रीमती सरोज अगरवाला** मेसर्स-बागेश्वरी साइकिल कंपनी मेन रोड, बोंगाइगाँव, असम मो. ९४०१०११७७७	**श्रीमती सीमा जैन** A-सेक्टर, नहरलगुन, ईटानगर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९४३६२२८४१२
श्रीमती संगीता सरावगी मच्छखोवा केदार रोड गुवाहाटी, असम मो. ९७०७०१५३८२	**श्रीमती संजू सुराणा** जे.पी. अगरवाला रोड शांतिपुर, गुवाहाटी, असम मो. ८८१२९४४४८१	**श्रीमती सपना शर्मा** बिस्वनाथ चार्ली, सोनितपुर, असम मो. ८०११३३९९२०	**श्री सरोज देवी सिंघी** नूर मार्केट, मेन रोड बोंगाइगाँव, असम मो: ९४७६७१९१६७	**श्रीमती सीमा सोनी** क्रिश्चियन बस्ती, जी.एस. रोड, गुवाहाटी, असम मो. ९८६४५८६५१७
श्रीमती संजना अग्रवाल सुपर मार्केट, पगलास्थान बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२२५७८	**श्री शांतिलाल डागा** जी-एक्सटेंशन रोड, नहरलगुन पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९४३६२५१८१६	**श्रीमती सरला जैन** छत्रीबाड़ी, कामरूप, असम मो. ७००२४५६९११	**श्रीमती सरोज हरलालका** मेसर्स - भवानी ट्रेडर्स मेन रोड, बोंगाइगाँव, असम मो. ९४०११६९९८१	**श्री शीतल जैन** मेसर्स - शीतल ट्रेडिंग मेन रोड, धेमाजी, असम मो. ७००२६६४८४८

RUPA
FRONTLINE
YEH STYLE KA
MAMLA HAI!
Toll Free No: 1800 1235 001
www.rupaonlinestore.com
Follow Us:
SCAN TO BUY

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2024-2026
Date of Publication - 29th September, 2026
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com